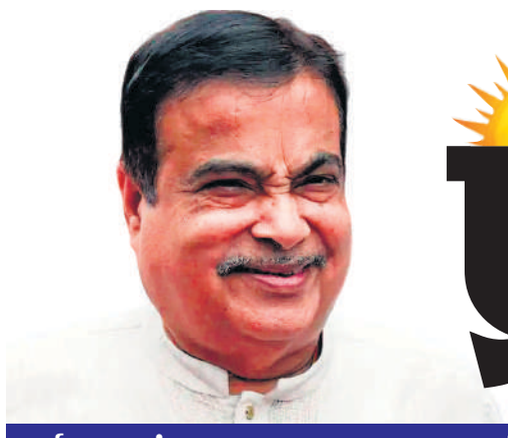

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 84 | रांची, बुधवार, 05 मार्च 2025 (फाल्गुन शुक्ल 06, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

एसडीओ कार्यालय का कंप्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार

चतरा में एसीबी की कार्रवाई

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) हजारीबाग ने सिमरिया के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के ईचाक निवासी अनिल कुमार ने एसीबी को आवेदन दिया था। आवेदन में लिखा था कि इनके द्वारा सिमरिया थाना अंतर्गत थाना नंबर-211, खाता संख्या-22 प्लॉट संख्या.-1166 रकबा 88 डिसमिल मधे रकबा 31.5 डिसमिल जमीन का मापी को लेकर अपील भूमि सुधार उप-समाहर्ता, सिमरिया के न्यायालय में किया गया है। वाद संख्याट-21/23-24 है। इनके वाद में दोनो पक्षों बयान दर्ज हो चुका है।

शेष पेज 08 पर

बजट सत्र के छठे दिन सदन में उठा प्रदूषण का मुद्दा

सरयू राय ने कहा: प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फैला रहा है भ्रम

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन सरयू राय ने प्रदूषण का मुद्दा उठाया। कहा कि बोकारो पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड के फ्लाई ऐश से छह पौंड (तालाब) भर गए हैं। अब फ्लाई ऐश गरगा नदी से होकर दामोदर नदी में गिर रहा है। इस पर सरयू राय ने कहा कि सदन की समिति बनाई जाए, जो स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपेंगी। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट सौंपेंगी।

दोषियों को ही कमेटी में किया गया है शामिल: सरयू राय ने कहा कि जो कमेटी बनाई गई है, उस कमेटी में दोषियों को ही शामिल किया गया है। जो लोग बीपीएससीएल से 73 लाख 32 हजार 31 रुपए वसूल नहीं सके, उन्हें ही कमेटी में शामिल किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भ्रम फैला रहा है। मंत्री सदन में गलत बयान दे रहे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि अगर गड़बड़ी मिलती है, तो कार्रवाई होगी।

शेष पेज 08 पर

26001 सहायक आचार्यों की नियुक्ति की कार्रवाई की जा रही है: रामदास

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि प्राथमिक स्कूलों में 26001 सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। अनुशंसा प्राप्त होने के बाद छात्र शिक्षक अनुपात में पदस्थापन की कार्रवाई की जाएगी। वहीं 17786 पदों के खिलाफ 13923 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति कर ली गई है। वे सदन ने राज सिन्हा के सवाल का जवाब दे रहे थे। राज सिन्हा ने पूछा कि 8353 स्कूलों में सिर्फ एक-एक शिक्षक ही हैं। जबकि इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 4.10 लाख है। 199 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हुआ है। इस स्कूलों में 398 शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों का ट्रांसफर करने से स्कूल ही बंद हो जाएंगे: शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने राज सिन्हा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की संख्या घटती ही जा रही है। इसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत शिक्षक गांवों में जाकर बच्चों के अभिभावकों को बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हैं। अगर शिक्षकों का ट्रांसफर कर दिया जाए, तो स्कूल ही बंद हो जाएगा। प्रदीप यादव ने कहा कि शिक्षा को प्रभावी बनाते हुए शैक्षणिक महौल बनाने पर जोर दिया जाए।

प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का नहीं किया जा रहा है पालन: राज सिन्हा

राज सिन्हा ने कहा कि पिछले एक साल में मध्यम उद्योग में वृद्धि हुई है। लेकिन 34 हजार सूक्ष्म और लघु उद्योग में रोजगार में कमी आई है। प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का पालन नहीं हो रहा है। इस पॉलिसी के तहत सरकार द्वारा छोटे उद्योग से 25 फीसदी माल खरीदने का प्रावधान है। राज सिन्हा ने यह भी पूछा कि जियाडा ने जितनी भूमि उपलब्ध कराई है, उसमें कितने लघु और सूक्ष्म उद्योग चल रहे हैं। इस पर उद्योग मंत्री संजय सिंह यादव ने कहा कि पूरे राज्य में छोटे उद्यमियों को सरकार बढ़ावा देगी। आवश्यकता होगी तो प्रोक्योरमेंट पॉलिसी में भी परिवर्तन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में पीएलएफआई के दो गुटों में गोलीबारी, दो नक्सलियों की मौत

बंदगांव। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव और खूंटी जिले के मुरहू सीमा क्षेत्र में फूलझरी नदी किनारे पीएलएफआई के दो गुटों में हुई गोलीबारी में दो उग्रवादियों की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पश्चिमी सिंहभूम पुलिस ने दोनों मृत उग्रवादी परवेल सांडी पूर्ति और आशिक तांती के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस को सर्च अभियान के दौरान एक देसी पिस्टल, गोली, मोबाइल, लेवी के रसीद मिले हैं। एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है।

शेष पेज 08 पर

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने दिया इस्तीफा

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता धनंजय मुंडे ने पद से इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी जानकारी दी।

शेष पेज 08 पर

तानाशाह किम जोंग उन की बहन ने ट्रंप को दिखाई आंख

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने अमेरिका को धमकी दी है। दक्षिण कोरिया में अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और अन्य मिलिट्री एक्टिविटी पर जवाबी कार्रवाई की धमकी उसने दी।

शेष पेज 08 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गिरिडीह में झामुमो के 52वें स्थापना दिवस को किया संबोधित, कहा

झारखंडियों का अधिकार नहीं मिला तो रोका जाएगा कोयला व खनिज

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

- सीएम हेमंत ने फिर केंद्र को चेताया, 1.36 लाख हजार करोड़ नहीं मिले, तो खदानों को कर देंगे बंद
- झामुमो कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन और कल्पना मुर्मू सोरेन को पहनाया चांदी का मुकुट

गिरिडीह। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने एक बार फिर केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। कहा है कि बकाया का 1.36 लाख करोड़ रुपये नहीं मिला, तो खदानों को बंद कर देंगे। एक छटाक भी यहां से खनिज ले जाने नहीं दिया जायेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरिडीह जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 52वें स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे।

गिरिडीह के झंडा मैदान में हेमंत सोरेन ने कहा कि बकाया राशि मांगी गयी, लेकिन केंद्र सरकार देने में आनाकानी कर रही है। अब एक बार फिर लड़ाई लड़नी होगी। खेत-खलिहान हमारा है और हमारा हिस्सा नहीं मिल रहा है। सीएम ने कहा कि गरीब-गुरबा को संघर्ष से ही उनको उनका हक मिलता है। हमें लड़ाई लड़कर अपना हक लेना होगा।

झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा केंद्र : मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए नाक रगड़वा दिया, लेकिन राशि नहीं दी। इसके बाद भी चिंता की कोई बात नहीं है। हमने अबुआ आवास योजना को शुरू किया है, जिसका लाभ झारखंड के गरीब-गुरबों को मिल सकेगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष ने राज्य को बहुत अच्छी स्थिति में नहीं छोड़ा है। राज्य को काफी पीछे धकेल दिया है। ऐसे दलदल में राज्य को धकेल दिया गया था कि उसे निकालने में हमें 5 साल लग गये। अब अगले 5 साल तक राज्य को ऐसा बढ़ायेंगे कि पीछे देखना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'राज्य में बेहतर काम हो रहा है, यह मैं नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए नीति बनाने वाला नीति आयोग कह रहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि देश के उन सर्वश्रेष्ठ 4 राज्यों में झारखंड भी शामिल है, जो तेजी से विकास कर रहा है।'

चतुर लोगों की नजर बजट के आधे हिस्से पर : मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने गरीब-गुरबों को पैरों पर खड़ा करने का काम किया है। शुरुआती दौर में मैंने 'मंईयां योजना' में 1,000 रुपए देने की घोषणा की थी, लेकिन आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए हमने इस राशि को बढ़ाकर 2,500 रुपए कर दिया।

शेष पेज 08 पर

गिरिडीह के लोगों ने बेटी जैसा प्यार दिया : कल्पना

गिरिडीह। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड की बहू को यहां के लोगों ने बेटी समझ कर प्यार दिया। जिसके लिए आजीवन ऋणी रहूंगी। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि जिस पौधा को 51 साल पूर्व शिबू सोरेन ने रोपा था, वह आज विशाल वृक्ष का रूप ले लिया है। राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद ने कहा कि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद पार्टी में कल्पना सोरेन के रूप में बड़ी नेत्री का उभार हुआ है। इससे भाजपा पश्चाताप कर रही होगी। समारोह को पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी, केदार हाजरा, बेबी देवी सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता गिरिडीह जिला झामुमो अध्यक्ष संजय सिंह ने की।

चैंपियंस ट्रॉफी

ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत फाइनल में, विराट बने हीरो

2023 का बदला पूरा

दुबई। विराट कोहली की शानदार पारी के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंची है। यह लगातार तीसरी बार है, जब भारत सीमित ओवर प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहा है। भारत ने इससे पहले 2023 वनडे विश्व कप, 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी और अब वह चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मैच में भी पहुंचने में सफल रहा है।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था और 49.3 ओवर में 264 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली एक बार फिर चेज मास्टर साबित हुए और उन्होंने 98 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 84 रन बनाए, जिसकी मदद से भारत ने 48.1 ओवर में छह विकेट पर 267 रन बनाकर मैच जीता। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 43 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे।

शेष पेज 08 पर

रेलवे की विभागीय परीक्षा में पेपर लीक का सीबीआई ने किया भंडाफोड़

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीबीआई ने पूर्व मध्य रेलवे के विभागीय परीक्षा पेपर लीक का भंडाफोड़ किया है। सीबीआई की टीम ने 3 और 4 मार्च की रात छापेमारी अभियान शुरू किया। इस दौरान मुगलसराय में पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत विभागीय परीक्षा पेपर लीक घोटाले का पता लगाया और उसका भंडाफोड़ किया। इस संबंध में एक सीनियर डीईई (ऑप्स) और आठ अन्य रेलवे अधिकारियों और अज्ञात उम्मीदवार और अज्ञात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अभ्यर्थियों के पास हस्तलिखित प्रश्नपत्रों की फोटोकॉपी मिली : पूर्व मध्य रेलवे ने मुख्य लोको निरीक्षकों के पदों के लिए चार मार्च को विभागीय परीक्षा निर्धारित की थी। सीबीआई द्वारा मुगलसराय में उक्त मध्य रात्रि में तीन स्थानों पर की गई जांच के दौरान कुल 17 अभ्यर्थियों के पास हस्तलिखित प्रश्नपत्रों की फोटोकॉपी पाई गई। अब तक की जांच मंय पता चला है कि आरोपी सीनियर डीईई (ऑपरेशन) को इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उसने अपने हाथ से अंग्रेजी में प्रश्न लिखे थे और कथित तौर पर इसे एक लोको पायलट को दिया था। जिसने इसे हिंदी में अनुवाद किया और आगे एक ओएस (ट्रेनिंग) को दिया।

शेष पेज 08 पर

झारखंड फिल्म फेस्टिवल के चेयरमैन पर लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित छठे झारखंड अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल (जिफ्फा) के चेयरमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जिफ्फा के चेयरमैन ऋषि प्रकाश मिश्रा के खिलाफ लालपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह एफआईआर कार्यपालक दंडाधिकारी जफर हसनात ने दर्ज करवायी है।

शेष पेज 08 पर

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को किया खारिज, कहा

किसी को मियां व पाकिस्तानी कहना गलत, पर अपराध नहीं

प्रातः नागपुरी संवाददाता

नई दिल्ली\रांची। किसी मुस्लिम को मियां-तियां और पाकिस्तानी कहना गलत है, लेकिन यह अपराध नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने झारखंड हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिपण्णी दी। साथ ही अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए अपीलकर्ता (आरोपी व्यक्ति) को आरोप मुक्त कर दिया।

धारा 298 के तहत अपीलकर्ता को किया आरोप मुक्त : न्यायालय ने कहा कि आवेदक (अपीलकर्ता) पर 'मियां' और 'पाकिस्तानी' कहकर सूचनाकर्ता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। निस्संदेह, यह बयान अनुचित है। लेकिन यह किसी भी तरह से सूचनाकर्ता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के समान नहीं है। अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए इस मामले में आरोपी व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत आरोप मुक्त कर दिया।

चास के लिपिक ने दर्ज करवायी थी शिकायत : दरअसल, झारखंड के चास अनुमंडल कार्यालय के कार्यवाहक लिपिक और उर्दू अनुवादक ने एक एफआईआर दर्ज करवायी थी।

शेष पेज 08 पर

साइबर ठगों का शिकार बना गुमला का किसान, दी जान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

68 हजार रुपये गंवाने के बाद सदमे में की आत्महत्या

गुमला। झारखंड का एक किसान साइबर ठगी का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सका। उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। साइबर क्रिमिनल्स ने उसके बैंक अकाउंट से 68 हजार रुपए निकाल लिये। इससे निराश किसान ने अपने घर के पीछे के आम के पेड़ पर फंदा टांगकर उससे झूल गया। घटना गुमला जिले में हुई है। किसान का नाम मोरहा उरांव है। उसकी उम्र 55 साल थी। गुमला सदर थाना क्षेत्र के अरमई गांव के रहने वाले मोरहा उरांव ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले अपने परिवार के सदस्यों से माफी भी मांगी है। मरने से पहले उसने एक परचा लिखा था, जो उसकी जेब से बरामद हुआ है, उसमें लिखा है- साइबर ठगी का शिकार, भाई जगना, प्यारी झिमी क्षमा करना मोबाइल में मैसेज देखना समझ जाना मोरहा उरांव।

मोरहा उरांव को राइस मिल से मिले थे 68 हजार : मोरहा उरांव के भाई जगना उरांव ने बताया कि उसके भाई ने राइस मिल को अपनी धान बेची थी। मोरहा को इससे 68 हजार रुपये मिले थे।

शेष पेज 08 पर

शेरों के बीच पहुंचे पीएम मोदी, बोतल से पिलाया दूध

- वन्यजीव बचाव, पुनर्वास व संरक्षण केंद्र, वनतारा का किया उद्घाटन

एजेंसियां

गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में वनतारा का उद्घाटन किया, जो दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र है। 3,500 एकड़ में फैला यह केंद्र 1.5 लाख से अधिक बचाए गए जानवरों को सुरक्षित आश्रय देता है। पीएम मोदी ने शेर से लेकर शावकों व अन्य जीवों के साथ समय बिताया। साथ ही वन्यजीव अस्पताल, हाथी जकूजी आदि को भी देखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में अनंत अंबानी की महत्वाकांक्षी परियोजना वनतारा का उद्घाटन किया और इसका दौरा किया। यह दुनिया का सबसे बड़ा पशु बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र है, जो 3,500 एकड़ में फैला हुआ है। यह बचाए गए और लुप्तप्राय प्रजाति के जीवों के लिए आश्रय का काम करता है, जहां उन्हें प्राकृतिक वातावरण और विशेषज्ञ देखभाल दी जाती है। अपने दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने वनतारा की प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया और वहां रहने वाले अनोखे वन्यजीवों से मुलाकात की।

प्यार और देखभाल से बचाई गई सील : एक बचाई गई सील अंगोला से यहां लाई गई और अब अपने नए घर में पूरी तरह सुरक्षित है। ये समुद्री स्तनधारी अक्सर प्राकृतिक आवास खत्म होने और गैर कानूनी शिकार से पीड़ित होते हैं। अब वनतारा की टीम की विशेषज्ञ देखरेख में ये सील पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित माहौल का आनंद ले रही है।

शेष पेज 08 पर

महाकुंभ में एक नाविक परिवार की खुल गई किस्मत

45 दिनों में कमाए 30 करोड़

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ मेले ने कई रिकॉर्ड तोड़े, तो कई लोगों की किस्मत खुल गई। आलम यह कि 45 दिनों के इस महाआयोजन में कई लोगों ने करोड़ों और अरबों रुपये की कमाई की। लाखों रुपये की कमाई करने वाले छुपे रुस्तमों की गिनती मुश्किल है। करोड़ों रुपये कमाने वाले लोगों में एक नाविक परिवार भी शामिल है, जिसने इन 45 दिनों के महामेला में 30 करोड़ रुपये की कमाई की। यह बात चर्चा में इसलिए है, क्योंकि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद ही विधानसभा सत्र के दौरान इसकी चर्चा की है। अब उनके वक्तव्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एक नाव से रोजाना 23 लाख की कमाई : सोशल मीडिया के प्रमुख मंच एक्स पर एक यूजर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषण वाले वीडियो को पोस्ट किया है। इस वीडियो में योगी आदित्यनाथ समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते दिखाई दे रहे हैं।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

वृद्ध की पत्थर से कूचकर हत्या, आरोपी फरार

खूंटी। जिले के रनिया थाना क्षेत्र में एक बुर्जुग की पत्थर से कूचकर हत्या करने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान बेलटोली निवासी रंथु सिंह (70) के रूप में की गयी है। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात रंथु घर में सो रहा था। इसी दौरान बिरसा प्रधान उसके घर गया और शराब पिलाने के बहाने घर से लगभग पांच से सात सौ मीटर दूर कोंगा डिपा चट्टान के पास ले जाकर एक बड़े पत्थर से कूच कर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया। इस मामले को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि इसके पूर्व भी कई बार बिरसा और रंथु के बीच झड़प हो चुकी थी, जिसे लेकर पिछले महीने दोनों के बीच समझौता भी हुआ था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।

छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का हुआ वितरण

राहे। प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को सामान्य कोटि अंतर्गत सत्र 2023-24 के 14 छात्र- छात्राओ के बीच साइकिल का वितरण किया गया। बीडीओ अशोक कुमार,प्रमुख लीलमनी देवी, बीपीओ प्रवीण कुमार और कल्याण पदाधिकारी के उपस्थिति में साइकिल वितरण किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदि मौजूद थे।

विशेष शिविर का आयोजन कल से

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज सिल्ली में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में दिनांक 6 से 12 मार्च तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया है।? कार्यक्रम शुभारंभ कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो द्वारा की जाएगी। एनएसएस यूनिट 1 के अर्चना कोइरी एवं यूनिट 2 के डॉ मनोज कुमार सात दिवसीय शिविर का संचालन करेंगे। कॉलेज प्रबंधन ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

खूंटी के दो केंद्रों में होगी चार मई को नीट की परीक्षा

खूंटी। खूंटी जिले में पहली बार एनइइटी(नीट) परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जानकारी दी कि खूंटी जिले में लगभग 140 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।परीक्षा का आयोजन चार मई को किया जाएगा, जिसके लिए उसुलाइन कॉन्वेंट गर्ल्स स्कूल और केंद्रीय विद्यालय, खूंटी को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया है। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने एवं परीक्षा को कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उपायुक्त ने अंचल कार्यालय कर्रा का किया औचक निरीक्षण, कहा

लंबित मामलों का त्वरित और पारदर्शी तरीके से करें निपटारा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मंगलवार को अंचल कार्यालय कर्रा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में कर्मियों की उपस्थिति, उनके कार्यों की प्रगति, भूमि जमाबंदी, दाखिल खारिज, सर्टिफिकेट से जुड़े मामलों के निष्पादन और अंचल से जुड़े विभिन्न कार्यों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि वे कार्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा अंचल में लंबित मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से निपटारा करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुगम और पारदर्शी सेवा प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।उपायुक्त ने हल्कावार समीक्षा करते हुए लंबित दाखिल खारिज के मामले, जाति, आवासीय एवं आय सर्टिफिकेट से संबंधित मामलों का निष्पादन निर्धारित समय पर करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कोई भी दाखिल खारिज या सर्टिफिकेट से सम्बंधित आवेदन को बिना किसी कारण लंबित न रखें। प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय पर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें। यदि आवेदकों के पर्याप्त दस्तावेज नही है, तो आवश्यक रूप से रिमार्क्स (कारण) लिखते हुए निर्णय लें। किसी भी परिस्थिति में बिना कारण बताए मामलों को रिजेक्ट न करें।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना की समीक्षा

खूंटी। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत सब्सिडी पर ट्रैक्टर सहित खेती के अन्य उपकरण मुहैया कराने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समिति ने उक्त योजना के लिए प्राप्त लाभुकों की सूची पर चर्चा कर सर्वसम्मति से अनुमोदित किया । योजना के लिए खूंटी जिले को विभाग की ओर से 30 लाभुकों का लक्ष्य प्राप्त था, जिसके तहत जिले में शत प्रतिशत लाभुकों का चयन कर अनुमोदित किया गया है, जिन्हें सब्सिडी दर पर ट्रैक्टर समेत खेती के अन्य उपकरण मुहैया कराये जाएंगे। उपायुक्त ने बैंको को चयनित लाभुकों को ऋण देने में सहयोग करने को कहा, ताकि किसान योजना का लाभ ले सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

2625 किलोग्राम बारूद से ब्लास्टिंग कर 143 अवैध मुहाने और 11 सुरंगें हुईं बंद

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले में कोयले के अवैध खनन पर रोक को लेकर उपायुक्त चंदन कुमार ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अवैध मुहानों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने का निर्देश दिया गया है।

डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, डीएमओ निशांत अभिषेक सहित अन्य अधिकारियों ने मांडू प्रखंड अंतर्गत बसंतपुर क्षेत्र के कोतरे में विभिन्न अवैध मुहानों को चिन्हित किया था। शनिवार से ही चिन्हित अवैध मुहानों को बंद करने का कार्य प्रारंभ किया गया था जो सोमवार की रात खत्म हुआ। 2625 किलोग्राम ब्लास्टिंग सामग्री के उपयोग से ब्लास्टिंग कर कुल 143 अवैध मुहानों एवं 11 सुरंगों को बंद किया गया। रविवार को 21 अवैध मुहानों और दो सुरंगों को बंद करने का कार्य किया गया था। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी अवैध मुहानों को बंद करने के लिए पदाधिकारियों की ओर से सर्च अभियान चलाकर स्थल चिन्हित किया जा रहा है।

महिला सशक्तीकरण विषय पर पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता आयोजित

रांची। चार मार्च को राम लखन सिंह यादव कॉलेज की एनएसएस इकाई एक तथा इकाई दो द्वारा स्पेशल कैंप के छठवें दिन महिला सशक्तीकरण विषय पर पेंटिंग तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनएसएस वॉलेंटियर्स ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमारी रीता तथा डॉ मनीष चन्द्र टुडू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर रीना, डोली, जतिन, एंजेलीना, तनु, सत्यम, राजेश, संजू सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को तत्काल करें गिरफ्तार :एसपी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने मंगलवार को रामगढ़ थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने निरीक्षण करने के बाद बताया कि रामगढ़ थाने के लंबित कांड की समीक्षा अनुसंधानकर्ता के साथ की जानी थी।

समीक्षा के क्रम में मुख्य रूप से महिला से संबंधित लंबित मामले जैसे बलात्कार, पोस्को, छेड़खानी एवं दो वर्ष से अधिक समय से लंबित अपहरण, गृहभेदन, चोरी, लूट, डकैती, हत्या के कांडों के समीक्षा की। उन्होंने बताया कि छह मार्च को डीजीपी के जरिये महिलाओं से संबंधित लंबित कांडों के समीक्षा की जानी है। इस संबंध में सभी अनुसंधानकताओं को पहले से ही जानकारी दे दी गई है। एसपी ने यह भी बताया गया है कि लंबित कांडों में आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने, फरार रहने की स्थिति में वारंट, इश्तिहार, कुर्की की कार्रवाई करने की प्रक्रिया पूरी करनी है। कांडों के निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। छह माह से अधिक समय से लंबित कांडों की संख्या शून्य करनी है। एसपी ने थाना में प्रतिनियुक्ति पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि ओडी के दौरान थाना में आने वाले आम जनता की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना जाना चाहिए। साथ ही शीघ्रतापूर्वक उनका निष्पादन भी करना है। आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें। किसी भी तरह के दुर्व्यवहार की सूचना मिलती है तो पदाधिकारी पर कार्रवाई होगी। समीक्षा के दौरान रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, एसआई उपेन्द्र कुमार, मंजेश कुमार, संतोष कुमार, जौनी कुमार, ओमकार पाल, मंटू शर्मा, एएसआई अनिल कुमार, सुजीत कुमार मौजूद थे।

लोवादाग पंचायत भवन में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। झालसा के निर्देश में न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची मार्गदर्शन में सिल्ली प्रखंड के लोवादाग पंचायत भवन में 90 डेज जागरूकता कार्यक्रम के तहत डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी कौशल्या देवी, ब्रजेश कुमार माहतो, बंशीधर महतो, बंशीधर घटवार, सुनील कुमार माहतो, बबलू कुमार महतो, पंकज कुमार माहतो, राजकुमार माहतो एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। राजेश कुमार सिन्हा ने ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या इत्यादि विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को डालसा के तरफ से निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के तरीकों के बारे में बताया गया।

मोटर वाहन एक्ट, बाल विवाह कानून एवं दहेज प्रथा कानून के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने युवाओं को नशा से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वादकारियों के वादों को अधिवक्ताओं व मध्यस्थों के द्वारा निःशुल्क निस्तारण किया जाता है। पीएलवी शंकर महतो ने वृद्धा पेंशन, ब्रजेश कुमार ने विधवा पेंशन, बंशीधर महतो ने प्रधानमंत्री आवास योजना, बंशीधर घटवार ने मईंया सम्मान योजना, सुनील कुमार महतो ने जॉब कार्ड, बबलू कुमार महतो ने प्री-लिटिगेशन वाद, पंकज कुमार माहतो ने कन्या भ्रूण हत्या एवं राजकुमार माहतो ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। एलएडीसी डिपुटी चीफ ने कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह कानून-2006, बाल श्रम, पोक्सो एक्ट, मानव तस्करी, शिक्षा का अधिकार, नालसा, झालसा और डालसा क्या है ? इस पर चर्चा किये। वहीं आगामी 8 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में डालसा के अधिवक्ता के द्वारा जानकारी दी गयी। उन्होंने कहां कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे आपको समय व धन की बचत होगी। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में डालसा के पीएलवी ने राहगीरों के बीच पम्पलेट, लिफलेट तथा कानूनी पुस्तिका का वितरण किया तथा निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकादी दी। उन्होंने इसके अलावा झारखण्ड सरकार के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ के बारे में विस्तार से बताया।

बिहार फाउंड्री पर कार्रवाई के लिए थानेदार ने लिखा एसडीओ को पत्र

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थापित बिहार फाउंड्री एवं कास्टिंग लिमिटेड प्लांट पर निरोधात्मक कार्रवाई होगी।

रामगढ़ थाना प्रभारी ने एसडीओ को इस कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। थाना प्रभारी के लिखे गए पत्र में बताया गया है कि बिहार फाउंड्री प्लांट के जरिये लगातार ऐसे कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण तो हो ही रहा है, आसपास के रहने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया है। यहां तक की माइंस रेस्क्यू में रहने वाले डीएसपी हेड क्वार्टर तक की नींद उड़ गई है। थाना प्रभारी ने लिखा है कि दो मार्च को महतो टोला मरार निवासी अरुण कुमार महतो के नेतृत्व में सैकड़ो ग्रामीण थाने पहुंचे और होने वाले प्रदूषण की शिकायत की। उन लोगों ने बताया कि प्लांट के जरिये सरस्वती पूजा से पहले ही चिमनी लगाई गई है। रात और दिन में चिमनी से काफी आवाज और धुआं निकलता रहता है। थाना प्रभारी ने कहा कि अगर जल्द ही प्लांट के खिलाफ निषेधात्मक कार्रवाई नहीं होती है, तो वहां विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। आवाज से आस- पास के ग्रामीणों को नींद की समस्या उत्पन्न हो गयी है। चिमनी से निकलने वाली ध्वनी प्रदूषण के कारण बुजुर्ग व्यक्ति, छात्र, गर्भवती महिला तथा बीमारी से ग्रसित लोग काफी परेशान है। वे इसका विरोध एवं प्रदर्शन करने पर उतारु है। थाना प्रभारी ने सभी ग्रामीणों को समझाया और कहा कि बिहार फाउंड्री एवं कास्टिंग लिमिटेड फैक्ट्री के मालिक से बात कर इसका निदान निकाला जाएगा। इसे लेकर थाने में सनहा दर्ज किया गया है।

विधायक ने बानो प्रखंड में बैंकों की कमी का मामला उठाया

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने मंगलवार को विधानसभा में तोरपा विधानसभा क्षेत्र के बानो प्रखण्ड में बैंकों की कमी का मामला उठाते हुए कहा कि बानो प्रखंड मुख्यालय स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा में 50 किमी के दायरे के लगभग एक लाख पचास हजार से अधिक खाताधारक सैलरी, पेंशन, छात्रवृत्ति आदि सुविधा के लिए निर्भर हैं।

बैंक शाखा एक छोटे भवन के उपर तल्ले पर अवस्थित है। लोगों को विशेषकर बुजुर्गों और दिव्यांगों को संकीर्ण सीढ़ी से उतरने-चढ़ने में दिक्कत होती है। कार्यक्षमता से अधिक भीड़ होने के कारण लोगों को भारी समस्या हो रही है। पूर्व में अत्यधिक भीड़ से चोटिल होकर एक महिला की अंगुली भी कट चुकी है। सुबह छह बजे से लाइन लगने के बाद भी कई लोग काउंटर तक नहीं पहुंच पाते हैं। विधायक ने कहा, सदन के माध्यम से मैं मांग करता हूं कि बैंक शाखा अन्यत्र उचित स्थान में स्थानांतरित किया जाय। साथ ही क्षेत्र की जनता की मांग के अनुरूप बानो प्रखण्ड की जमतई पंचायत के हुरदा में भी एक बैंक शाखा खोली जाए।

सिल्ली के वुशू खिलाड़ियों का खेलो इंडिया विमिन अस्मिता वुशू सिटी लिग में बेहतर प्रदर्शन

सिल्ली। सिल्ली के वुशू खिलाड़ियों का खेलों इंडिया विमेन अस्मिता वुशू सिटी लिंग में बेहतर प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 2 मार्च तक रांची के विश्वनाथन शाह देव इंडोर स्टेडियम में किया गया था। जिसमें सिल्ली कस्तूरबा विद्यालय के छात्राओं ने कुल 16 पदक प्राप्त किए। इसके अलावे राहे कस्तूरबा विद्यालय के छात्राओं ने 6 पदक। इसकी जानकारी देते हुए कोच वाहिद अली ने बताया कि सभी छात्रायें सिल्ली एकाडमी के प्रशिक्षु हैं । खिलाड़ियों ने 4 स्कुवर्ण , 10 रजत, 7 कांस्य पदक समेत कुल 21 पदक प्राप्त किए। वुशू एकाडमी के संरक्षक पुर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, सिल्ली कस्तूरबा विद्यालय के वार्डेन चंद्रिका कुमारी, गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, आर्चरी कोच प्रकाश राम, शिशिर महतो ब्रजेश प्रसाद आदि ने सभी पदक विजेता खिलाड़ीयों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

गड़गांव डीएवी स्कूल संचालक से अभियुक्त ने पांच लाख की मांगी रंगदारी

इटकी। थाना क्षेत्र के गड़गांव बस्ती स्थित डीएवी स्कूल संचालक डा0 आलोक कुमार ने आर्यान नामक अभियुक्त के खिलाफ पांच लाख रुपया रंगदारी मागने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर डा०आलोक कुमार ने थाना में अभियुक्त के विरुद्ध नाम दर्ज कराया है। दर्ज मामले में डा० आलोक कुमार ने आरोप लगाया है कि 25 फरवरी को आर्यन स्कूल पहुंचा और स्कूल में कार्यरत कर्मचारियों को धमकाते हुए स्कूल मालिक से पांच लाख की रंगदारी भेजने को कहा और समय पर रुपया नही पहुंचाया तो अंजाम भुगतने की धमकी दी है। डा. आलोक ने चार मार्च को थाना पहुंच कर अभियुक्त आर्यन के विरुद्ध लिखित सूचना दी । पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। स्कूल में लगे सीसी कैमरा का फुटेज खंगाला जा रहा है।

कर्मचारी अमित और नाजिर मंजीत पर होगी कानूनी कार्रवाई

रामगढ़। रामगढ़ अंचल के हल्का तीन के कर्मचारी अमित लोहरा और मांडू अंचल के नाजिर मंजीत कुमार पर कानूनी कार्रवाई शुरू होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो के लिखे गए पत्र के आलोक में डीसी चंदन कुमार ने अभियोजन की स्वीकृति प्रदान कर दी है। डीसी चंदन कुमार ने मंगलवार को बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हजारीबाग के एसपी ने उन्हें चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में कांड संख्या 6/ 24, धारा 7 ए के तहत कार्रवाई करने की स्वीकृति मांगी गई थी। राजस्व उप निरीक्षक हल्का तीन अंचल रामगढ़ के अप्राथमिकी अभियुक्त अमित कुमार लोहरा एवं मांडू प्रखंड में वित्तीय अनियमितता मामले में निम्न वर्गीय लिपिक सह नाजिर मांडू प्रखंड मंजीत कुमार के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

कोतरे बसंतपुर परियोजना से जल्द निकलने लगेगा कोयला

माइनिंग शुरू करने को लेकर हुई बेहद अहम बैठक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में कोतरे बसंतपुर परियोजना से जल्द कोयला निकलने लगेगा। रामगढ़ जिला प्रशासन, सीसीएल प्रबंधन और केबीपीएमपीएल कंपनी ने पूरी तैयारी कर रखी है।

मंगलवार को डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार मौजूदगी में माइनिंग शुरू करने को लेकर बेहद अहम बैठक की गई। कोतरे बसंतपुर पंचमो कोल परियोजना पदाधिकारियों के द्वारा पीपीटी के माध्यम परियोजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसमें इनके जरिये प्लॉट संख्या 31 से भूमि पूजन कर उत्खनन का कार्य प्रारम्भ करने की बात कही गई। अभी तक कुल 84.92 एकड़ भूमि का स्टेटमेंट छह निर्गत कर दिया गया है। इस पर उपायुक्त की ओर से वर्षवार गैरमजरूआ खास, जंगल, झाड़ी एवं अन्य पर स्टेटमेंट छह निर्गत किये जाने की संख्या एवं रकबा निकाली गई। कोल परियोजना के लिए पांच वर्षों का माइनिंग ऑपरेशन तालिका पर वर्षवार समीक्षा किया गया।

वर्ष 2025-26 के लिए कुल रकवा 116.13 एकड़ गैरमजरूआ जंगल-झाड़ी में से 51.92 एकड़ भूमि का स्टेटमेंट छह निर्गत है। शेष 64.21 एकड़ का स्टेटमेंट छह का आवेदन सीओ के पास लंबित है। दस्तावेजों के जांच कर एक सप्ताह के अन्दर निर्गत करने का निर्देश दिया गया। वर्ष 2026-27 के लिए कुल रकवा 23.20 एकड़ गैरमजरूआ जंगल-झाड़ी, वर्ष 2027-28 के लिए कुल रकवा 33.26 एकड़ गैरमजरूआ जंगल-झाडी, वर्ष 2028-29 के लिए कुल रकवा 40.03 एकड़ गैरमजरूआ जंगल झाड़ी, वर्ष 2029-30 के लिए कुल रकवा 18.29 एकड़ गैरमजरूआ जंगल-झाड़ी की जांच की जा रही है।

डीसी चंदन कुमार ने बताया कि पूर्व में ही 33.00 एकड़ भूमि का स्टेटमेंट 6 वर्ष 2026-27 से 2029-30 तक उल्लेखित तालिका के लिए निर्गत है। अगले एक माह के अन्तराल पर सभी चार वर्षों में एक-एक वर्ष कर शत प्रतिशत स्टेटमेंट छह निर्गत करने की कार्रवाई करे। अगले, अन्तिम और छठे वर्ष का प्लान सीसीएल से मंतव्य के अनुसार किया जाना आपेक्षित है। उपस्थित सीसीएल और उनके एमडीओ को निर्देश दिया गया कि ग्रामीणों को प्राप्त स्टेटमेंट छह के अनुसार नौकरी एवं मुआवजा के लिए प्रेरित करे। विशेष कैम्प लगाकर ग्रामीणों से आवेदन लेते हुए आगे की कार्रवाई करे। सीसीएल कोतरे बंसतपुर पचमो परियोजना के अन्तर्गत मौजा कोतरे, बंसतपुर एवं पचंडा के तहत कुल रकवा 59.91 एकड़ रैयती भूमि में 11.105 एकड़ भूमि का स्टेटमेंट छह निर्गत है। शेष बचे 48.805 एकड़ भूमि का स्टेटमेंट छह निर्गत करने के लिए लंबित है। अंचल अधिकारी, माण्डू को निर्देश दिया गया कि शेष 48.805 एकड भूमि का स्टेटमेंट छह के लिए संबंधित रैयतों से आवेदन प्राप्त कर आगे की कार्रवाई करें । इस कार्य के लिए सीसीएल एवं उनके एमडीओ रैयतों से समन्वय स्थापित करते हुए अंचल कार्यालय को आपेक्षित सहयोग करेंगे। बैठक में संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

आदिवासी, मूलवासी, किसान और ग्रामीण विरोधी सोच बजट में : प्रतुल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि आदिवासी, मूलवासी, किसान और ग्रामीण विरोधी अबुआ सरकार की सोच बजट में दिखती है। 2024 - 25 के बजट की तुलना में वर्तमान बजट में बड़ी कटौतियां की गईं ।वर्ष 2025 - 26 के बजट में किसानों से जुड़े कृषि विभाग के बजट में 700 करोड़ रुपयों की बड़ी कटौती की गई है। इसके अतिरिक्त मत्स्य , डेयरी विभागों में भी कटौतियां की गई।

गरीबों को अन्न पहुंचने वाले खाद्य आपूर्ति विभाग में और स्वास्थ्य विभाग में की गई कटौती समझ से पड़े हैं। ऐसा लगता है शिक्षा भी सरकार के फोकस में नहीं है। तभी तकनीकी, उच्च ,सेकेंडरी और प्राथमिक शिक्षा के भी बजट को घटा दिया गया है।सरकार का फोकस उद्योगों पर भी नहीं है इसलिए उद्योग विभाग के बजट में भी कटौती की गई है।

प्रतुल ने मंगलवार को कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण का ढोंग करने वाली सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण के बजट को भी घटा दिया। पहले से हर घर में नल से जल योजना में पीछे चल रही राज्य सरकार ने पेयजल स्वच्छता विभाग के बजट में 800 करोड़ की बड़ी कटौती कर दी। मूलभूत संरचना का विकास सरकार के फोकस में नहीं है। पथ निर्माण के विभाग के बजट में 200

करोड रुपए की कटौती की गई। ग्रामीण विकास के बजट में 2395 करोड़ की बड़ी कटौती दिखाता है कि सरकार गांव के आधारभूत संरचनाओं के विकास पर फोकस नहीं कर रही। इन विभागों से ही रोजगार मिलता है और जीएसडीपी बढ़ता है।गांव की बात छोड़िए नगर विकास के बजट में भी 1356 करोड़ की कटौती कर सरकार ने दिखा दिया कि वह गांव और शहर सबकी अनदेखी कर रही है।

मुख्यमंत्री को दूसरे मंत्रियों पर भरोसा नहीं

प्रतुल ने कहा ऐसा बहुत कम होता है कि मुख्यमंत्री 45 प्रतिशत बजट की कुल राशि अपने पास रख ले। यानी लगभग आधा बजट उनके पास है। इसका साफ संदेश है कि उन्हें अपने बाकी मंत्रियों पर भरोसा नहीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के मंत्रियों के कोटे में लगभग 70प्रतिशत बजट का हिस्सा गया है। सरकार में पिछलग्गू बन बैठी कांग्रेस को सिर्फ 26 प्रतिशत बजट में हिस्सा मिला है। दअरसल यह महागठबंधन सरकार का बजट न होकर झामुमो का बजट प्रतीत होता है।

बजट लीक होने की आशंका पर सरकार खामोश

प्रतुल ने कहा कि कांग्रेस के प्रवक्ता का बजट पेश होने के पहले ही बजट की बारीकियां की जानकारी के मुद्दे पर सरकार खामोश है। जाहिर है सरकार बचाव कर रही है। ये संजोग नहीं हो सकता कि कांग्रेस के प्रवक्ता का बजट की बारीकी पर दिया गया बयान और बजट का वास्तविक आकार बिल्कुल समान निकला।

संक्षिप्त

संजय सेठ ने किया 54 लाख की योजनाओं का शिलान्यास

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को अपने सांसद मद से 54 लाख की लागत से बनने वाली छह योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने रांची के वार्ड नंबर- 34 गंगानगर, साईं सिटी में पीसीसी पथ, वार्ड नंबर 50 के हेथु में शमशान शेड का निर्माण, टाटीसिल्वे के सरई टोला में सामुदायिक भवन का निर्माण, वार्ड संख्या 53 ब्रिजफोर्ड स्कूल के पास अटल कॉलोनी में पीसीसी पथका निर्माण, होटवासी शिवपुरी रोड नंबर सात में पीसीसी पथ का निर्माण के अलावा होटवासी के ही रोड नंबर चार में पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर सेठ ने कहा प्राथमिकता के आधार पर हर क्षेत्र का विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हमलोग कार्य करते हैं और आगे भी निरंतर क्षेत्र का विकास करेंगे।

इस अवसर पर आरती कुजूर, विनोद सिंह, अरुण झा, राजू सिंह, मनोज झा, कमल किशोर झा समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पार्टी में माफ नहीं होगी अनुशासनहीनता : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अनुशासन समिति की बैठक कमिटी के अध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई। बैठक में पिछले विधानसभा के चुनाव में पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ अनुशासनहीनता का मामला जिलाध्यक्ष और पार्टी के प्रत्याशियों की ओर से समिति के संज्ञान में लाया गया था, जिसपर समिति ने इन नेताओं से स्पष्टीकरण देने के लिए पत्र लिखा था। समिति के पत्र के बाद इन नेताओं ने अपना स्पष्टीकरण समिति को दिया है। इस संबंध में पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि बैठक में समिति ने यह निर्णय लिया कि लातेहार के पप्पू पासवान, सलाम अंसारी, धनबाद के इम्तियाज अली, पलामू के लक्ष्मी नारायण तिवारी की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को पार्टी ने स्वीकार किया है उन्हें चेतावनी दी गई है कि भविष्य में पार्टी अनुशासनहीनता माफ नहीं करेगी। वहीं लोहरदगा के पार्टी के विधायक डॉ रामेश्वर उरांव की ओर से भेजे गए पत्र में कहा है कि लोहरदगा जिले में पार्टी के पदाधिकारियों पर लगे अनुशासनहीनता के आरोपों को लेकर अनुशासन समिति ने दो सदस्यीय टीम का गठन किया है। इस टीम में अनादि ब्रह्म और अमुल्य नीरज खलखो शामिल हैं, इन्हें कहा गया है कि लोहरदगा जिला के जिला अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष से वन टू वन बात कर के रिपोर्ट सौंपें। बैठक में समिति के सदस्य अनादि ब्रहम, शमशेर आलम और अमुल्य नीरज खलखो सहित अन्य शामिल थे।

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक सम्पन्न

रांची : मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा-झारखंड की बैठक पूरन महतो की अध्यक्षता में अखिल भारतीय किसान सभा कार्यालय (अलवर्ट एक्का चौक स्थित) में सम्पन्न हुई। बैठक में किसान विरोधी नयी केन्द्रीय बाजार नीति रद्द करने सहित भूमि बैंक, रद्द करने, किसानों के फसलों के लिए एम एस पी की कानूनी गारंटी, गैर मजरूवा जमीन में रसिद नहीं काटने, झारखंड में हाथियों का आतंक, वनपटटा, विस्थापन, सिंचाई, बड़कागांव को /पटक कट्टरसहित किसान मुद्दों पर 18 मार्च को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संयुक्त किसान मोर्चा झारखंड ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। संयुक्त किसान मोर्चा प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर किसान विरोधी केन्द्रीय नयी बाजार नीति रद्द करने का विधान में प्रस्ताव पास करने का आग्रह करेगी ताकि किसान विरोधी नयी कृषि बाजार नीति के खतरे से झारखंड के किसानों को बचाया जा सके। जैसा की केरल विधानसभा एवं पंजाब विधानसभा में किसान विरोधी नयी केन्द्रीय बाजार नीति रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया है।

हाईकोर्ट से रूफ टॉप बार और रेस्टोरेंट संचालकों को राहत

नगर निगम के आदेश पर रोक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने शहर के दो रूफ टॉप बार और रेस्टोरेंट संचालकों को बड़ी राहत दी है। खंडपीठ में ग्रीका किचन एवं बार और प्राना लाउंज की याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची नगर निगम के आदेश पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने मौखिक कहा कि इनसे लोगों को रोजगार और सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो रही है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि रांची नगर निगम का आदेश समानता के अधिकार और व्यवसाय करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। नगर निगम ने दोनों पर अवैध निर्माण का आरोप लगाकर रूफ टॉप बार एंड रेस्टोरेंट बंद करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ इनकी ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि दोनों बार एवं रेस्टोरेंट जिस भवन में चल रहे हैं, उसका नक्शा रांची नगर निगम से स्वीकृत है। रूफ टॉप पर केवल बार एवं रेस्टोरेंट संचालित है। जहां कुर्सी टेबल के अलावा अस्थाई संरचना बनाई गई है। इसका किचन और स्टोर स्वीकृत नक्शा के अंदर संचालित है। दोनों रेस्टोरेंट अग्निशमन सुरक्षा के मापदंड को पूरा कर रहे हैं। विभाग से भी इन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है। फूड सेफ्टी लाइसेंस, बार लाइसेंस आदि भी सक्षम पदाधिकारी से प्राप्त है। रांची नगर निगम के पास रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट के संचालन को लेकर कोई नियमावली नहीं है। 24 फरवरी को रांची नगर निगम रूफ टॉप बार रेस्टोरेंट को लेकर एक ड्राफ्ट नियमावली बनाई है। इसपर लोगों से आपत्ति मांगी गई है। दोनों रूफ टाप बार एवं रेस्टोरेंट ने म्यूनिसिपल एक्ट 2011 और बिल्डिंग बायलाज 2016 का उल्लंघन नहीं किया है। इसलिए रांची नगर निगमकी ओर से इनको बंद करने का आदेश अनुचित है। इस दौरान रांची नगर निगम की ओर से इन दोनों रेस्टोरेंट की निरीक्षण रिपोर्ट कोर्ट को सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि रांची नगर निगम की ओर से शहरी क्षेत्र में संचालित 33 रूफ टाप बार एवं रेस्टोरेंट को बंद करने का आदेश दिया है।

रांची केंद्र से सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉपर बनीं सृष्टि कुमारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा जनवरी - 2025 में आयोजित की गई सीए इंटरमीडिएट और फाउंडेशन परीक्षा का परीक्षफल घोषित किया गय। घोषित परिणाम के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर सीए फाउंडेशन की परीक्षा में शामिल 110887 परीक्षार्थियों में से 23861 (21.52%) परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की।

पूरे देश में सीए फाउंडेशन की परीक्षा 533 परीक्षा केंद्र में आयोजित की गई थी। सीए फाउंडेशन में रांची परीक्षा केंद्र से 693 में से 135 परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की है।

सीए इंटरमीडिएट कोर्स में रांची परीक्षाकेंद्र से दोनों ग्रुप में शामिल 147 परीक्षार्थियों में 18 दोनों ग्रुप में, 9 प्रथम ग्रुप और 3 द्वितीय ग्रुप में उत्तीर्ण हुए। सीए इंटरमीडिएट के सिर्फ प्रथम ग्रुप में शामिल 324 परीक्षार्थियों में से 26 और द्वितीय ग्रुप में कुल 147 में से 50 परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की।

रांची परीक्षा केंद्र से 600 में से 460 अंक प्राप्त कर सृष्टि कुमारी ने प्रथम, 408 अंक प्राप्त कर प्रीति अग्रवाल ने द्वितीय, 391 अंक प्राप्त कर प्रतीक कुमार सर्राफ ने तीसरा, 390 अंक प्राप्त कर आयुष कुमार चौथा और 376 अंक प्राप्त कर निहारिका शर्मा पांचवा स्थान प्राप्त किया है।

अखिल भारतीय स्तर पर 521 अंक प्राप्त कर हैदराबाद की दीपांशी अग्रवाल प्रथम, 516 अंक प्राप्त कर विजयवाड़ा के थोटा सोमनद्ध सेशाद्री नायडू दूसरा और हाथरस के सार्थक अग्रवाल 515 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया, उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, सचिव सीए भुवनेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार, कार्यकारिणी सदस्य सीए हरेन्दर भारती और सीए निशांत मोदी ने उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उनकी सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। सम्मानित भी किया।

'आकाश इंविक्टस' का शुभारंभ एआई आधारित होगा प्रोग्राम

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने ह्यआकाश इंविक्टसह्ल का शुभारंभ 4 मार्च को रांची में किया। यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है। इसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिजाइन किया गया है। यह एआई आधारित और परिणाम केंद्रित कार्यक्रम आईआईटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह जानकारी संस्थोन के क्षेत्रीय निदेशक अजय बहादुर सिंह ने मंगलवार को मीडिया को दी।

क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि बच्चों की हर कमी को देखते हुए प्रोग्राम तैयार किया गया है। बैच में 40 से 50 बच्चे होंगे। क्लास के बाद भी बच्चों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग होगी। डाउट क्लीयर करने की सुविधा होगी। यह कोर्स सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत महंगा होगा। हालांकि विद्यार्थी 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में ह्यआकाश इंविक्टसह्ल के 35 ब्रांच हैं।

सेल में 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया

स्वीकार्य निर्माताओं की सूची जारी की गई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सेल सुरक्षा संगठन, रांची ने 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सेल एम.टी.आई. में 4 मार्च को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने औपचारिक सुरक्षा ध्वज फहराया। इस अवसर पर प्रकाश और दासगुप्ता ने सुरक्षा शपथ क्रमशः हिन्दीइ और अंग्रेजी में उपस्थित लगभग 200 से अधिक कर्मचारियों को दिलाई।

सेल में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में, उपरोक्त कार्यों के अलावा सेल के निदेशकों ने श्री एस के वर्मा, ईडी (सीईटी) के साथ सेल के संयंत्रों/इकाइयों में परियोजना निष्पादन के दौरान खरीदे गए उपकरणों और आपूर्ति के स्वीकार्य निर्माताओं की सूची के का अनावरण किया। यह सूची सीईटी, सेल द्वारा तैयार किए गए निर्माताओं को मानकीकृत करने का एक प्रयास है।

यह कार्यक्रम एमटीआई, सेल में चल रही वार्षिक बिजनेस प्लान बैठक के दौरान आयोजित किया गया था। स्वीकार्य निर्माताओं की सूची का उद्देश्य परियोजना निष्पादन के दौरान उपकरणों और आपूर्ति के निर्माताओं से संबंधित कठिनाइयों को कम करना है। सूची में वर्तमान में 1100 से अधिक नाम हैं।

मौके पर निदेशक प्रभारी (भिलाई एवं दुगार्पुर और बर्नपुर का अतिरिक्त प्रभार) अनिर्बान दासगुप्ता, निदेशक (वाणिज्यिक) वी.एस. चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त) ए.के. तुलसियानी, निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह, निदेशक प्रभारी (बोकारो) बीके तिवारी, निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएं एवं कच्चा माल) एमआर गुप्ता, निदेशक प्रभारी (राउरकेला) आलोक वर्मा, कार्यपालक निदेशक (सेल सुरक्षा संगठन) अनूप कुमार, सेल के सभी संयंत्रों एवं इकाइयों के कार्यपालक निदेशक, सेल की रांची इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुकेश तनेजा बने रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के गवर्नर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 (झारखंड एवं बिहार) के 111 क्लबों के लिए वर्ष 2027-28 के गवर्नर पद का चुनाव पटना के चाणक्य होटल में हुआ। चुनाव में 107 क्लबों के अध्यक्षों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों ने मतदान किया।

इस पद के लिए छह उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की, जिनमें से दो झारखंड से और चार बिहार से थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा में रोटरी क्लब ऑफ रांची के पूर्व अध्यक्ष मुकेश तनेजा सबसे अधिक वोट प्राप्त कर विजयी हुए। उनके चयन के बाद उन्हें देशभर से बधाइयां मिलने लगीं।

चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपिन चाचन, चुनाव पदाधिकारी गोपाल खेमका, राजीव मोदी, संजीव ठाकुर, राजन गंडोत्रा, दीपक डोकानिया आदि की अहम भूमिका रही, जबकि राजकुमार राजगढ़िया चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

निर्वाचित गवर्नर मुकेश तनेजा ने जीत के बाद रोटरी क्लब ऑफ रांची के सभी सदस्यों के साथ-साथ पूरे डिस्ट्रिक्ट के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपिन चाचन ने उन्हें बधाई दी। विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

प्रदेश भाजपा सभी जिलों में छह से 13 मार्च तक करेगी अटल विरासत सम्मेलन : आदित्य साहू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा की ओर से अटल जन्म शताब्दी के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी छह से 13 मार्च तक सभी सांगठनिक जिलों में अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन होगा। यह जानकारी अटल जन्मशताब्दी समारोह के प्रदेश संयोजक सांसद आदित्य साहू ने मंगलवार रात दी।

साहू ने बताया कि सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित विभिन्न सांगठनिक जिलों में प्रदेश के नेता शामिल होंगे। सम्मेलन में झारखंड निमार्ता अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संबोधन होगा। साथ ही अटल वाजपेयी के साथ जनसंघ एवं भाजपा में कार्य करने वाले वरिष्ठ कार्यकताओं, उनके परिवारजन, आपातकाल में संघर्ष करने वाले कार्यकताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 09 मार्च को कोडरमा में, कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर रविंद्र कुमार राय देवघर में, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ 08 मार्च को गोड्डा में, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा 13 मार्च को सरायकेला खरसावां में, पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन 08 मार्च को रांची महानगर में, पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा 07 मार्च को सिमडेगा में, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी 10 मार्च को रांची ग्रामीण जिला में, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय 06 मार्च को लोहरदगा में, अभयकांत प्रसाद 08 मार्च को पाकुड़ में, पूर्व सांसद सुनील सिंह 08 मार्च को पलामू में, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी 08 मार्च को दुमका में सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बताया कि 06 मार्च को पूर्व सांसद अजय मारू खूंटी में, 08 मार्च को सांसद कालीचरण सिंह गढ़वा में, 09 मार्च को बालमुकुंद सहाय धनबाद ग्रामीण जिला, श्याम नारायण दुबे लातेहार में, सुदर्शन भगत रामगढ़ में, सीपी सिंह धनबाद महानगर में 10 मार्च को अनंत ओझा जामताड़ा में, बिरांची नारायण पूर्वी सिंहभूम में, राज पलिवार हजारीबाग में, नारायण दास साहेबगंज में सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद समीर उरांव पश्चिम सिंहभूम में सम्मेलन में शामिल होंगे।

राज्यपाल से फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष व निबंधक पर कार्रवाई की मांग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज झारखंड फामेर्सी छात्र संघ का एक शिष्टमंडल ने राजभवन में भेंट की। झारखंड राज्य फामेर्सी काउंसिल के अध्यक्ष एवं निबंधक-सह-सचिव के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के संदर्भ में एक ज्ञापन समर्पित किया।

शिष्टमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल के अध्यक्ष द्वारा गलत सूचना देने एवं निबंधक पद पर अनुचित नियुक्ति की ओर ध्यान आकृष्ट किया। साथ ही, विधिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस मामले में आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया।

इसके अतिरिक्त, शिष्टमंडल ने डिप्लोमा-इन-फामेर्सी परीक्षा समिति द्वारा डी फार्मा में की गई अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की।

संक्षिप्त

यूनियन ने प्रबंधन के समक्ष कामगारों की रखीं समस्याएं

चतरा। सीसीएल के आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र के आम्रपाली परियोजना में राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के केंद्रीय सचिव ललन प्रसाद सिंह ने परियोजना के कामगारों के बीच आकर होने वाली कठिनाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आम्रपाली परियोजना के परियोजना पदाधिकारी एवं आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक से मुलाकात कर क्षेत्र के मजदूरों की समस्याएं रखीं।
प्रबंधन के समक्ष क्वार्टर, प्रमोशन एवं मजदूरों को मिलने वाले सुविधाएं सहित सभी को संडे देने की मांग रखी। मजदूरों की समस्याओं को पूरा करने का आश्वोसन आम्रपाली चंद्रगुप्त के प्रबंधन ने दिया।
ललन प्रसाद सिंह के साथ आम्रपाली चंद्रगुप्त के क्षेत्रीय सचिव मोहम्मद जहूर एवं आम्रपाली परियोजना के सचिव अजय कुमार, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव अयोध्या मिस्त्री, परियोजना संगठन सचिव सुबोध कुमार साहू, उपाध्यक्ष हरदेव प्रसाद साहू, तीर्थनाथ महतो, अजय कुमार महतो, धीरेंद्र कुमार सिंह, अमर कुमार, हसन अंसारी, मुकेश प्रजापति, मीना देवी, लाल मुनी देवी, उमा, अनीता देवी, मुनिया देवी आदि महिला एवं पुरुष कामगार उपस्थित थे।

चार दिनों से नहीं है संत कोलंबा में बिजली

हजारीबाग। झारखंड छात्र मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल विवेक शर्मा के नेतृत्व में संत कोलंबा के प्राचार्य डॉ. बिमल रेबन से मिला। छात्रों के प्रतिनिधि मंडल ने महाविद्यालय में पिछले चार दिनों से बिजली नहीं होने की बात को लेकर आपत्ति जताई। बिजली नहीं होने से महाविद्यालय में कक्षाएं बाधित हो रही हैं। वहीं महाविद्यालय में पीने के पानी, सुलभ शौचालय और छात्राओं के कॉमन रूम के समस्याओं को ले कर भी बात किया। मौके पर सहनवाज ने प्राचार्य से छात्रों के लिए इंडोर गेम जैसे चेस, कैरम बोर्ड, स्नूकर और टेबल टेनिस जैसे खेलों की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। पूरे मामले पर प्राचार्य ने जल्द ही उचित कारवाई करने का भरोसा दिया है। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से विवेक शर्मा, शाहनवाज अहमद, आयुष सिंहरवि राज, प्रियांशु ओझा, संजय यादव, सुमित यादव, अमीषा यादव, उर्मिला यादव मौजूद थे।

चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु 182 अभ्यर्थी हुए चयनित

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय के अध्यक्षता में मंगलवार को चौकीदारी नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित की गई।
हजारीबाग जिला अंतर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु नियुक्ति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कुल 182 अभ्यर्थियों का चयन चौकीदार के पद पर किया गया। उपायुक्त के निदेर्शानुसार चयनित अभ्यर्थी दिनांक 7 मार्च 2025 को सुबह 11:00 तक स्थानीय टाउन हॉल, हजारीबाग में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को स्थानीय टाउन हॉल हजारीबाग में नियुक्ति पत्र प्रदान की जाएगी। बैठक में उपायुक्त नैंसी सहाय के अलावे सदर एसडीओ लोकेश बारंगे, डीएसपी अमित कुमार, बरही एसडीओ जोहन टुडू, सामान्य शाखा प्रभारी शमां उस्मानी, डीपीआरओ रोहित कुमार उपस्थित थे।

अबुआ बजट शिक्षा स्वास्थ्य के लिए प्रशंसनीय परन्तु किसानों के लिए निराशाजनक : डॉ आरसी प्रसाद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
हजारीबाग। अबुआ बजट शिक्षा स्वास्थ्य व्यापारी आदिवासी महिला मूलवासी नौकरी पेशे वालों के लिए प्रशंसनीय है। परन्तु झारखंड के किसानों के लिए निराशाजनक है यह बातें हजारीबाग विधान सभा कांग्रेस के पूर्व उप विजेता डॉ आरसी प्रसाद ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने कार्यालय में कहा कि संकल्प पत्र अनुसार पीओके एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर 450/- रुपए में गैस सिलिंडर देनी थी जो आज तक नहीं मिला, बजट में जिसका चर्चा होनी चाहिए थी आज झारखंड में 80 प्रतिशत लोग खेती किसानी पर निर्भर हैं किसान का पार्यवाचि शब्द फटेहाल निर्धन है इसका कारण है केन्द्र एवं राज्य सरकारो का उदासीन रवैया।
आज किसानों का समर्थन मूल्य नहीं मिलने के कारण हजारीबाग जिले में,टमाटर गोभी बैंगन इत्यादि अनेकों सब्जी को किसान खेत छोड़ रहे हैं। टमाटर एक रुपए लेने को कोई तैयार नहीं है जिस कारण लोग खेत में छोड़ रहे हैं धान का समर्थन मूल्य अभी ?22 है जो बहुत ही कम है धान का समर्थन मूल्य 40 रुपये होनी चाहिए गेहूं का 35 रुपये होनी चाहिए टमाटर आलु का समर्थन मूल्य ?30 होनी चाहिए 30 रुपये से कम होने पर किसान को घर से नुकसान हो रहा है नुकसान के कारण 5 एकड़ खेत वाले किसान भी मेट्रोप्लोटिन सिटी में मजदूरी करने को विवश है।

सरकार को चाहिए था किसानों के लिए विशेष पैकेज देकर सभी फसलों का समर्थन मूल्य जैसे झारखंड में धान का समर्थन मूल्य 40/- गेहूँ 35/- टमाटर आलु बैंगन इत्यादि का समर्थन मूल्य 30/- होना चाहिए, अभी झारखंड सरकार धान ?22 लेती है। परंतु शहरी व्यापारी आते हैं वह किसानों को 20 से ?21 में समर्थन मूल्य होने के कारण धान खरीद लेते हैं उसी तरह सब्जियों का भी समर्थन मूल्य हो टमाटर का समर्थन मूल्य 30 रुपए होने से शहरी व्यापारी भी ?25 खरीगे, जिससे किसानों को लाभ होगा।
अबुवा बजट माध्यम से फसलों का मूल्य निर्धारण कर सब्सिडी दे झारखंड सरकार अन्यथा खेती छोड़कर किसान मजदूरी करने को विवश होगे, जिस कारण लोगों को महंगे अनाज खरीदना पड़ेगा। कभी कभी लहसुन दाल का उत्पादन कम होने से बाजार में सभी वस्तुएँ महँगी हो जाती हैं।आज आज उद्योग के सभी सामान का कीमत निर्धारण करने का हक उद्योगपति को होता है।
उसी तरह किसान को अपने सम्मान का मूल्य निर्धारण निर्धान करने का हक किसान को होना चाहिए मइया योजना सराहनीय एवं पूरे देश में प्रशंसनीय है परंतु वृद्धा पेंशन विधवा पेंनसन विकलांग पेंशन पर भी सरकार को सोचने की जरूरत है बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता मिलनी चाहिए क्योंकि आज बेरोजगारी झारखंड में चरम पर है। आयुष्मान योजना झारखंड में हाथी के बाहरी दांत साबित हो रहा है प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान भारत लाइसेंस को सरेंडर कर रहे हैं। इस पर सोचने की जरूरत है। व्यापारियों के लिए भी व्यापारी अधिनियम होना चाहिये।

कृषि फॉर्म विकसित करने में लगी दो एजेंसियों पर कार्रवाई के निर्देश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
पलामू। समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठषाला के तहत पलामू जिले में विकसित किये जा रहे कृषि फॉर्म की कार्य प्रगति में शिथिलता बरतने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कार्य में लगी दो कार्यकारी एजेंसी के विरूद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट को चेतावनी पत्र भेजने और एक माह में आवश्यक सुधार नहीं किए जाने की स्थिति में टर्मिनेट किए जाने की कार्रवाई करने का आदेश दिया।

कार्य प्रगति में शिथिलता पर उपायुक्त ने जताई कड़ी नाराजगी

प्रगति एजुकेशन एकेडमी की कार्य प्रगति की भौतिक निरीक्षण एवं जांच के लिए उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया। कमेटी में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला अभियंता, मत्स्य पदाधिकारी एवं डीएमएफटी के यंग प्रोफेशनल शामिल रहेंगे। उपायुक्त शशि रंजन 4 मार्च को समाहरणालय सभागार में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला अंतर्गत गठित जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक कर रहे थे।
उपायुक्त ने कहा कि जिले में कृषि के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। यहां के किसान भी बेहतर कर रहे हैं। कृषि फॉर्म विकसित होने से किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कार्य को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करते हुए कार्य में प्रगति लाने का निदेश दिया।
विदित हो कि कृषि विभाग की ओर से पलामू जिले में मेदिनीनगर के चियांकी, हरिहरगंज एवं चैनपुर के शिवपुर में कृषि विभाग की ओर से कृषि फॉर्म को विकसित किया जा रहा है। इस कार्य में अलग-अलग स्थानों पर प्रगति एजुकेशन एकेडमी, क्षितीज एग्रोटेक प्रा लि एवं सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एवं इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट कार्यकारी एजेंसी के रूप में लगी है।
बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

होली पर अश्लील गाना एवं डीजे पर रहेगी खास नजर

थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
चक्रधरपुर। होली पर्व को लेकर चक्रधरपुर थाना परिसर में थाना प्रभारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक मंगलवार को हुई। इसमें होली पर्व को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। मौके पर शांतिपूर्वक पर्व मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया।
बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री राज लक्ष्मी ने कहा कि होली में लोग एक-दूसरे को रंग व गुलाल का प्रयोग कर खुशी मनाते हैं। कोई भी शराब का सेवन या धंधा करते पकड़ा गया तो जेल भेज दिया जाएगा। होली के त्योहार के दौरान अश्लील गाना एवं डीजे पर खास नजर रखी जाएगी। कहा 14 मार्च से प्रशासन ट्रिपल लोड में बाइक चलाने वाले लोगों के साथ कानूनी कार्रवाई करेगी। वहीं 13 मार्च को होलिका दहन के बाद लोग शांति बनाए रखें।
सुश्री लक्ष्मी। ने कहा कि सोशल मीडिया में कोई भी गलत पोस्ट को फारवर्ड करने से बचें। होली के दिन प्रशासन द्वारा शांति व्यवस्था बनाने के लिए पूर्ण व्यवस्था की गई है। किसी प्रकार की कहीं कोई गलत घटना या अपराध ना हो इसकी उचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही प्रशासन ने होली हर्बल रंगों से खेलने की अपील किया।
बैठक में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, विद्युत विभाग के कनीय अभियंता और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे। यह बैठक चक्रधरपुर में शांति और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिप सदस्य ने अंचलाधिकारी से प्रधानमंत्री किसान योजना पर की चर्चा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
बिशुनपुरा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य विकास योजनाओं को लेकर जिप सदस्य शंभु राम चंद्रवंशी ने अंचलाधिकारी सह बीडीओ राजेश कुमार व कर्मियों के साथ प्रखंड के सभागार में मंगलवार को बैठक की। बैठक के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि के के तहत राशि नहीं मिलने और अयोग्यक होने का मैसेज आने पर चर्चा की गई।

जिप सदस्य शंभु राम चंद्रवंशी ने कहा कि बिशुनपुरा सहित अन्य प्रखंडों व जिले के बाहर के किसानों का फर्जी तरीके से निबंधन की शिकायत विभाग से की गई थी। राज्य सरकार के निर्देश पर जांच चल रही है। इसके कारण जिले के किसानों का अभी तक राशि प्राप्त नहीं हुई है। जल्द ही योग्य किसानों के खाते में सम्मान निधि की राशि चली जायेगी। बिचौलियों द्वारा अफवाह फैलाया जा रहा कि किसानों का नाम कटवा दिया गया है। अंचलाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि अंचल स्तर से किसी भी लाभुक का पेमेंट नहीं रूका है। लाभकों के सत्यापन के लिए कमेटी बनाई गई है। जो ग्राम या पंचायत स्तर पर जाकर योग्य लाभुकों का सत्यापन करेगी।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, हथियारों का जखीरा बरामद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
चाईबासा। भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के उग्रवादियों के टोन्टो थाना अंतर्गत हथियार, गोला-बारूद छुपाकर रखने की सूचना मिलने के बाद, 4 मार्च 2025 को वनग्राम हुसिपी के आसपास के जंगली/पहाड़ी इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया।
तलाशी अभियान के दौरान, 4 मार्च 2025 को हुसिपी के पास के जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए पहले से लगाए गए विस्फोटक और अन्य सामग्री एक पुराने नक्सल ठिकाने से बरामद किए गए।

सुरक्षा के मद्देनजर, बरामद विस्फोटकों को बम निरोधक दस्ते की मदद से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। सुरक्षा बलों ने नक्सल ठिकाने को भी ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा, ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार, कारतूस और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई, जिसे जब्त कर लिया गया। नक्सल विरोधी अभियान अभी भी जारी है।
ये हुआ बरामद
एक देशी पिस्तौल, दो देशी कार्बाइन, एक देशी बोल्ट एक्शन राइफल, 303 राउंड 13, 7.62 एमएम राउंड 8, 7.62 एसएलआर पिस्टन रॉड 1, तैयार केन आईईडी 10 किलोग्राम (लगभग) 2, डुअल डेटोनेटर ट्यूब 29 नग (58 नग डेटोनेटर) कॉर्डेक्स वायर बंडल 5, वॉकी टॉकी 3, नक्सल वर्दी का कपड़ा 6 पीस, नक्सल बैनर 2, स्पाइक रॉड 95 पीस, कंटेनर के साथ अन्य दैनिक उपयोग का सामान।

हजारीबाग में ब्रह्मर्षि समाज का होली मिलन समारोह 09 मार्च को

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
हजारीबाग। ब्रम्हर्षि समाज, हजारीबाग द्वारा रंग व राग का रंग-बिरंगा पर्व होली से पूर्व होली मिलन समारोह-2025 का आयोजन आगामी 09 मार्च 2025 (रविवार) को हजारीबाग शहर के परिसदन सभागार से पूर्व अवस्थित होटल प्रोवेश रिसोर्ट परिसर में आयोजित किया जाएगा।
इसके तैयारी को लेकर ब्रम्हर्षि समाज, हजारीबाग के आयोजन समिति से जुड़े लोगों का एक जरूरी बैठक दीपूगढ़ा स्थित समाज के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश सिंह के आवासीय परिसर में मंगलवार की सुबह हुई। जिसमें विशेषरूप से ब्रह्मर्षि समाज के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश सिंह, होली मिलन समारोह के संयोजक कन्हैया कुमार, सचिव कन्हैया शर्मा, प्रकाश शर्मा, रंजन चौधरी, डा आनन्द शाही, हिटलर शाही, कौशल किशोर सिंह, अजय शर्मा, बलराम सिंह, विजय शर्मा, ब्रजकिशोर सिंह, प्रफुल सिंह, गिरिजेश शर्मा,दिनेश्वर सिंह, प्रवीण सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए और आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। इस होली मिलन समारोह में रंग- भंग संग जमकर अबीर- गुलाल उड़ेगा वहीं पारंपरिक वाद्य यंत्रों संग फगुआ गीतों का रंग बिरंगा धमाल होगा वहीं मशहूर लोकगीत गायिका मनिता श्री और उनकी टीम का फाल्गुनी प्रस्तुति में लोग होलियाना मूड में झूम उठेंगे।

उपायुक्त का लगा जनता दरबार, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे फरियादी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये।
इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये आवेदकों ने एलपीसी निर्गत, भूमि विवाद, पीडीएस दुकान, दाखिल खारिज, अनुकम्पा पर नौकरी, दिव्यांग लाभ, जबरन गुमटी हटाने आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान

आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये गये निर्देश

की मांग की। बरही धाबी टोला के सिकन्दर साव ने कुछ लोगों के द्वारा जबरन गुमटी हटाने गाली-गलौज एवं धमकी देने के संबंध में आवेदन देकर राहत की मांग की जिसपर उपायुक्त ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी को प्रेषित करते हुए जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया।
वहीं दारू प्रखण्ड की जरीना खातुन ने एलपीसी निर्गत करने, चेतलाल यादव विष्णुगढ़ ने भूमि अतिक्रमण, मार्खम कॉलेज हनुमान नगर के सीता राम गुप्ता ने पीडीएस दुकान पुत्र के नाम करने, नेहा कुमारी ने अनुकम्पा के आधार पर नौकरी, चौपारण के कैलाश प्रसाद दाखिल खारिज, सरैया पदमा की रिंकी देवी ने कस्तुरबा गांधी स्कूल पदमा में रसाईया के पद में योगदान देने, परसी ईचाक के सुनिल बैध ने बंदोबस्त कार्यालय से भूमि संबंधी दस्तावेज दिखाने इत्यादि से संबंधित आवेदन देकर इसके समाधान का अनुरोध किया। मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया।

सेंट्रल जेल में हत्या की सजा काट रहे कैदी ने की आत्महत्या

मेदिनीनगर। पलामू सेंट्रल जेल में कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है, मृतक कैदी शब्बीर अंसारी गढ़वा का रहने वाला है। कैदी के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया है। पलामू सेंट्रल जेल के प्रभारी जेलर आशीष कुमार ने बताया की सुबह उसने बाथरूम में आत्महत्या कर ली, अन्य कैदियों से सूचना मिलने के बाद बाथरूम का दरवाजा खोलकर उसे बाहर निकाला गया। उसे बचाने की कोशिश की गई और अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वो 2023 से हत्या के मामले में सजा काट रहा था।वह गढ़वा जेल से पलामू सेंट्रल जेल ट्रांसफर हुआ था।

हजारीबाग यूथ विंग ने रचा इतिहास, रक्तदान शिविर में बना नया जिला रिकॉर्ड

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि
हजारीबाग। सेवा, समर्पण और समाज कल्याण की मिसाल पेश करते हुए हजारीबाग यूथ विंग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में एक नया इतिहास रचा गया। इस शिविर में कुल 221 यूनिट रक्त संग्रह कर जिले का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया गया। यह आयोजन जिले में रक्तदान के प्रति जागरूकता और मानवता की भावना को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।
यह विशाल रक्तदान शिविर सोमवार को लक्ष्मी सिनेमा हॉल के सभागार में आयोजित किया गया, जो सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं, महिलाएं,छात्रों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान के पवित्र कार्य में अपना योगदान दिया। शिविर की ऐतिहासिक सफलता पर जिले के कई प्रमुख हस्तियों ने हजारीबाग यूथ विंग की सराहना की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल, उपायुक्त नैंसी सहाय, डीडीसी इश्तियाक अहमद, सदर एसडीओ लोकेश बारंगे,रांची के एसडीओ उत्कर्ष कुमार,रांची के वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षक प्रकाश सहाय,रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव तनवीर सिंह समेत कई सम्मानित व्यक्तियों ने संस्था को शुभकामनाएं? दीं और

- सफल कार्यक्रम के बाद सांसद उपायुक्त, सहित कई लोगों ने दी शुभकामनाएं
- हजारीबाग यूथ विंग ने सेवा और समर्पण की नई मिसाल पेश की है। 221 यूनिट रक्त संग्रह कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है : मनीष जायसवाल

भविष्य में भी इसी तरह के सफल आयोजनों की कामना की।सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की
इस तरह के आयोजन समाज में जागरूकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देते हैं। हजारीबाग यूथ विंग ने जो मिसाल पेश की है, वह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।उपायुक्त नैंसी सहाय ने फोन के माध्यम से रक्तदाताओं और संस्था का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की रक्तदान महादान है,और हजारीबाग ने इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है।
मैं इस अद्भुत प्रयास के लिए संस्था और सभी रक्तदाताओं को दिल से बधाई देती हूँ। हजारीबाग यूथ विंग ने इस सफलता के लिए सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों और समर्थकों का हार्दिक आभार प्रकट किया है,इस रक्तदान शिविर ने न केवल जिले में एक नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि युवाओं और समाज को यह संदेश भी दिया कि रक्तदान जीवनदान है और हर स्वस्थ व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।
इस आयोजन की ऐतिहासिक सफलता ने हजारीबाग को रक्तदान के क्षेत्र में नई पहचान दी है और यह संदेश दिया है कि जब समाज संगठित होकर आगे बढ़ता है, तो हर लक्ष्य संभव हो जाता है।
रमजान महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी आस्था में समर्पित नजर आते हैं परंतु शिविर के दौरान कुछ अलग दृश्य देखने को मिला मुस्लिम समुदाय के लोग भारी संख्या में रक्तदान शिविर का हिस्सा बने, रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी मिसाल पेश की, उन्होंने बताया है कि हमारी आस्था भी हमारे लिए बड़ी चीज है और रक्तदान भी हमारे लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, इसलिए हमने आज रक्तदान को चुना है और कल से फिर हम अपनी आस्था धर्म की ओर समर्पित हो जाएंगे. सभी से अनुरोध करते हैं कि रक्तदान अवश्य करें. संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की यह रक्तदान शिविर मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण है।

संक्षिप्त

नए आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल मुर्गी फार्म स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 11 के नये नवनिर्मित भवन का उद्घाटन मंगलवार को बेरमो सीडीपीओ गीता सोय ने किया। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल ने लगभग 11 लाख रुपए का डीएमएफटी मद के फंड से तैयार उक्त आंगनबाड़ी केंद्र का शिलान्यास मार्च 2024 में किया था। बेरमो सीडीपीओ गीता सोय ने भवन के सभी खिड़की के ग्रिल का अधिक गैप होने पर नाराजगी जताई, और कहा कि हमलोगों के पास अपना आंगनबाड़ी का भवन नहीं था, जिसके कारण आंगनबाड़ी को जैसे तैसे चलाया जा रहा था। मौके पर सुपरवाइजर मुक्ति कुमारी, सुषमा कुमारी, सेविका रिंकू कुमारी, सहायिका यशोदा देवी, वार्ड सदस्य रविंद्र ठाकुर, गीता देवी, नीलम देवी, इंद्र देवी, किरण देवी, नेहा देवी अशोक पासवान, अरविंद समेत अन्य महिला व बच्चे शामिल थे।

पर्क्स एरियर भुगतान की प्रक्रिया शुरू

बोकारो। भूतपूर्व कर्मियों को 11 माह के पर्क्स एरियर भुगतान के लिए बीएसएल में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों के बताया कि डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू सहयोग डॉट बोकारो स्टील डॉट इन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की बीएसएल द्वारा जांच कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उक्त पोर्टल में 1621 भूतपूर्व कर्मियों के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जांचोपरांत आवेदनों को वित्त एवं लेखा विभाग को भुगतान हेतु अग्रसारित कर दिया जाएगा। जांचोपरांत यदि किसी कारणवश प्राप्त आवेदन को भुगतान हेतु अग्रसारित नहीं किया गया हो तो इसके कारणों का उल्लेख करते हुए उसे रीसेट किया जाएगा। यद्धपि आवेदनों की जांच युद्धस्तर पर जारी है, इसमें थोड़ा वक्त लगेगा। जांच पूरी होते ही आवेदन का स्टेटस डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू सहयोग डॉट बोकारोस्टील डॉट इन पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा जिसे भूतपूर्व कर्मी अपनी लॉग-इन आई डी से देख सकते हैं।

जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। बीएसएल के मानव संसाधन विभाग, ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ द्वारा सीओ एंड सीसी विभाग में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 74वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष सेवा पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार, शाखा प्रबंधक ईएसआईसी बोकारो, डॉ. रणधीर कुमार, बीमा चिकित्सा अधिकारी, ईएसआईसी और देव कुमार शर्मा उपस्थित थे, जिन्होंने ईएसआईसी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ईएसआईसी से संबंधित समस्या के समाधान के लिए ठेका श्रमिकों के साथ विस्तृत संवाद किया। कार्यक्रम में सीओ एंड सीसी, सिंटर प्लांट, आरएमएचपी और आरएमपी विभाग के लगभग 75 ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के विभागीय सुरक्षा अधिकारी और मानव संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में डीसी ने दिए कई निर्देश

कानूनी व सामाजिक पहलुओं पर हुई चर्चा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में चाइल्डलाइन, सी.डब्लू.सी., ऑब्जर्वेशन होम, वन स्टॉप सेंटर और अन्य बाल संरक्षण संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, डीसीपीओ, एनजीओ प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मिशन वात्सल्य योजना के तहत कार्यरत विभिन्न घटकों की समीक्षा की गई, जिसमें जिला बाल संरक्षण इकाई,

बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन और वन स्टॉप सेंटर शामिल थे। बाल कल्याण समिति द्वारा परित्याग बच्चों के अधिकारों और संरक्षण, एकल अभिभावक वाले बच्चों और अनाथ बच्चों को योजनाओं से आच्छादित करने के प्रयासों की समीक्षा की गई। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से पीड़ित बालिकाओं और महिलाओं को आवासन, विधिक सहायता, परामर्श और पुलिस सहायता जैसी सेवाएं प्रदान करने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, चाइल्डलाइन की गतिविधियों और उनके सामने आने वाली समस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। मिशन वात्सल्य योजना, फॉस्टर केयर योजना, चाइल्ड प्रोटेक्शन पॉलिसी, वल्नेरेबिलिटी मैपिंग, सड़कों पर जीवनयापन करने वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के प्रयास, बाल श्रम, बाल व्यापार, बाल विवाह, बाल संरक्षण, पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम और बच्चों से संबंधित अन्य कानूनों पर भी चर्चा की गई। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने सभी संबंधित पक्षों को निर्देशित किया कि विशेष परिस्थितियों में रहने वाले किशोर और किशोरियों की सुरक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल बच्चों के शैक्षणिक विकास पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए, बल्कि उनके मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण के लिए भी कार्य किए जाएं. उन्होंने स्लम क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में पहल करने का भी आह्वान किया।

आवश्यक कदम और सहयोगात्मक प्रयास

उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि जो बच्चे भिक्षावृत्ति करते पाए जाएं, उनकी काउंसलिंग की जाए और उनके माता-पिता की भी काउंसलिंग की जाए। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, और इसके लिए सभी को सहयोगात्मक भावना से काम करने की आवश्यकता है। बैठक में बाल संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर सहयोगात्मक रणनीति विकसित करने, हितधारकों के साथ संवाद को सुविधाजनक बनाने और अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया।

बोकारो स्टील प्लांट की एक टैंडम मिल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के सीआरएम (कोल्ड रोलिंग मिल)- 3 विभाग स्थित टैंडम मिल- 4 में आग लग जाने से उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित हो गया। समय रहते अग्निशामक दस्ते ने आग को काबू कर लिया, जिससे बड़ी क्षति होते-होते टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्पादन फिर से सामान्य करने के लिए इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल की टीम जुटी हुई है। युद्धस्तर पर अनुरक्षण का काम किया जा रहा है। इधर, आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कमेटी गठित कर दी गई है। घटना शॉर्ट सर्किट से हुई या किसी अन्य कारण से, इसका पता जांच के बाद ही लग सकेगा।मंगलवार को घटना की पुष्टि करते हुए बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने बताया कि सीआरएम- 3 की टैंडम मिल- 4 में सोमवार की सुबह 5.22 बजे स्ट्रिप ब्रेकेज हुआ, जिसके तुरंत बाद 5.25 में वहां आग देखी गई। इसकी सूचना पास ही में अवस्थित फायर ब्रिगेड पोस्ट को दी गई, जिनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही देर में आग को पूरी तरह बुझा दिया। संचार प्रमुख के अनुसार उक्त घटना में कोई भी कर्मी हताहत नहीं हुआ। आग के कारण टैंडम मिल के कुछ कंट्रोल केबुल जल गए, जिसके कारण टैंडम मिल अस्थाई रूप से प्रभावित है। नए कंट्रोल केबुल का लेआउट कर लिया गया है, टेस्टिंग के बाद टैंडम मिल को पुनः बहाल कर दिया जाएगा।

शादी की सालगिरह से एक हफ्ते पहले फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। जिले के बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत कारो बस्ती कमार टोला निवासी श्रवण करमाली के 30 वर्षीय पुत्र रंजीत करमाली का शव मंगलवार को एक पेड़ की डाली से लटकता बरामद किया गया।

बंद पड़ी डीवीसी बेरमो माइंस समीप जंगल में नीम के पेड़ पर रस्सी से वह मृत लटका हुआ मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मामला संदेहास्पद है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना प्रभारी पिंटू महथा, एएसआई राजेश क्षत्रि, एएसआई श्रीकांत दरबे व अन्य घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पेड़ से शव को उतारकर शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया। जानकारी के अनुसार रंजीत करमाली सीसीएल बीएंडके प्रक्षेत्र की कारो परियोजना से एमपीएल की ट्रांसपोर्टिंग का कार्य कर रही अनिल सिंह कंपनी में कार्य करता था। रविवार की संध्या 5 बजे वह घर से ड्यूटी जाने की बात कहकर निकाला था। इसके बाद से वह घर नहीं लौटा था। परिजन इसकी खोजबीन कर रहे थे। साथ ही बेरमो थाना में लिखित सूचना देकर खोजबीन की मांग की गई थी। वहीं मंगलवार को देर शाम को उसका शव बरामद किया गया। रंजीत की शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी।

लाइसेंस पर मिलेंगे ई-टाइप आवास, आवेदन 8 से

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर में बीएसएल आवास लाइसेंस पर फिर लिए जा सकते हैं। इसके लिए बोकारो स्टील प्लांट द्वारा आवास लाइसेंस पुनः योजना लाई जा रही है, जिसमें वैसे पूर्व कर्मचारी आवेदन जमा कर सकते हैं जो ई प्रकार के आवास में रह रहे हैं तथा आवास को लाइसेंस पर लेने के इच्छुक हैं। इसके अलावा वैसे कर्मचारी भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे जो जून 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे और वर्तमान में ई प्रकार के आवास में रह रहे हैं। इसके लिए योग्य उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते है। आवेदन जमा करने की तिथि 08 से 25 मार्च तक होगी।

कोयला तस्करी के खिलाफ पुलिस की छापेमारी

एक ट्रैक्टर, पिक अप वैन सहित 15 टन कोयला जब्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। पेंक-नारायणपुर थाना की पुलिस ने सोमवार की रात्रि थाना क्षेत्र अंतर्गत डेगागढ़ा-पोखरिया के समीप अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ छापेमारी कर अवैध कोयला लदा एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो पिकअप वैन सहित दोनों वाहनों पर लदा पंद्रह टन अवैध कोयला जब्त किया।

पुलिस को देखकर सभी धंधेबाज एवं वाहन चालक भागने में कामयाब रहे। इस संबंध में बताया जाता है कि पेंक नारायणपुर थाना प्रभारी अनिल लिंडा को गुप्त सूचना मिली थी कि रात्रि में थाना क्षेत्र से छोटे वाहनों एवं ट्रैक्टरों में अवैध कोयला गिरिडीह जिला की सीमा में स्थित कोयला की फैक्टरी में ले जाया जाता है, जहां से ट्रकों में उसे बाहर की मंडियों में भेजा जाता है। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रैक्टर और पीक अप में कोयला लादकर गिरीडीह स्थित फैक्टरी ले जाने की सूचना के आलोक में छापामारी की गयी, जिसमें उक्त दोनों वाहन और अवैध कोयला जब्त किया गया। छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी के अलावा अनि घनश्याम रवि, सुभाष यादव सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

परसाबेड़ा-ताराबेड़ा से कोयला हुआ था लोड

बेरमो थाना क्षेत्र के ताराबेड़ा स्थित बने कोयला के अवैध सुरंगों से कोयला काटकर ट्रैक्टर में लोडकर गिरीडीह स्थित पोरदाग के कोल फैक्टरी में ले जाया जा रहा था। इससे पहले भी पुलिस ने छापामारी कर भारी मात्रा में कोयला जब्त किया था।

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में चयनित हुई वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी की कृतिका कुमारी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी की प्रतिभाशाली युवा तीरंदाज कृतिका कुमारी ने 14वीं एनटीपीसी चेरुकुरी लेनिन वोल्गा मेमोरियल मिनी अंडर-15 राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम में स्थान प्राप्त कर एक बार फिर अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है। यह प्रतिष्ठित टूनार्मेंट 23 से 29 मार्च, 2025 तक आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित किया जाएगा।

सियालजोरी गांव की 14 वर्षीय कक्षा 9 की छात्रा कृतिका ने 23 फरवरी, 2025 को जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से झारखंड टीम में अपना स्थान प्राप्त किया। ट्रायल के दौरान उनकी सटीकता, निरंतरता और अटूट फोकस ने उन्हें दूसरों से अलग कर दिया, जो उनके उभरते करियर में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि सियालजोरी स्थित ईएसएल स्टील लिमिटेड प्लांट परिसर के अंदर स्थित अकादमी को झारखंड में तीरंदाजी की अंतर्निहित समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने के लिए ईएसएल स्टील लिमिटेड की सीएसआर पहल के माध्यम से 2020 में लॉन्च किया गया था। यह परियोजना अब एक प्रमुख संस्थान मानी जाती है और ग्रामीण क्षेत्रों से 21 वर्ष की आयु तक के सभी आयु समूहों के 50 तीरंदाजों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, पोषण, संसाधन और प्रेरणा प्रदान करती है। अकादमी प्रसिद्ध पेशेवरों द्वारा संचालित की जाती है, जो निम्नलिखित श्रेणियों के तहत तीन साल तक अंडर 9, अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 21 के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

कृतिका की राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां

कृतिका ने पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। नवंबर 2024 में उन्होंने 68वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स तीरंदाजी चैंपियनशिप में अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने रजत पदक जीता। उनकी उपलब्धियों की बढ़ती सूची उनके समर्पण और वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली ट्रेनिंग का प्रमाण है। कृतिका मिनी अंडर-15 राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। वह अपनी अकादमी, अपने गांव और राज्य की उम्मीदों को लेकर चल रही हैं। उनकी यात्रा महत्वाकांक्षी युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो साबित करती है कि सही मार्गदर्शन और समर्पण के साथ सपने हकीकत में बदल सकते हैं।

सीएसआर प्रमुख ने कृतिका को दीं शुभकामनाएं

इस अवसर पर बोलते हुए वेदांता ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कृतिका की उपलब्धियों पर गर्व का अनुभव करते हुए कहा कि वह हमारी वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी की एक बेहतरीन तीरंदाज हैं। वेदांता ईएसएल में हम युवा प्रतिभाओं को पोषित करने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चमकने के लिए सर्वोत्तम संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कृतिका को चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनकी निरंतर सफलता की उम्मीद जताई।

आवासों से अवैध कब्जा हटाया गया

बोकारो। बीएसएल के सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को शहर के आवासों से अवैध कब्जा तथा अवैध रूप से निर्मित किए गए अतिरिक्त निर्माण को हटा गिया। सम्पदा न्यायालय, बोकारो की ओर से अनाधिकृत कब्जे वाले आवासों को मजिस्ट्रेट धनंजय कुमार गिरि, पुलिस बल और बीएसएल सुरक्षा विभाग की टीम की उपस्थिति में खाली कराने का अभियान चलाया गया, जिसके तहत सेक्टर- 8 डी में डी टाइप के पांच क्वार्टरों को खाली करा गया। इनमें आवास संख्या 08डी/डी/3126, 08डी/ डी/ 3288, 08डी/ डी/3306, 08डी/ डी/ 3309 तथा 08डी/ डी/ 3312 अवैध कब्जे से मुक्त कराए गए। इसके अलावा सेक्टर-12 बी में डी-टाइप आवास संख्या- 3001 एवं 12सी में ई टाइप आवास संख्या- 1112 के परिसर में अवैध रूप से निर्मित कमरों एवं अन्य निर्माण को भी सम्पदा न्यायालय द्वारा ध्वस्त कराया गया।

डीवीसी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने चेयरमैन सहित अन्य अधिकारी से मुलाकात कर सौंपी सूची

बोकारो थर्मल। डीवीसी कर्मचारी संघ की गठित नई समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कोलकाता मुख्यालय में डीवीसी चैयरमैन, मेंबर सेक्रेटरी, मेंबर टेक्निकल, कार्यपालक निदेशक एचआर से औपचारिक मुलाकात कर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सह- बेरमो विधायक कुमार जयमंगल द्वारा गठित नई समिति की सूची सौंपी। साथ ही, डीवीसी के कई ज्वलंत मुद्दों पर अधिकारियों से वार्ता कर उनका ध्यान आकृष्ट कराया। कर्मचारी संघ की नई समिति से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में कार्यकारी अध्यक्ष सदन सिंह, उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह, महासचिव अरिंदम दास, कोषाध्यक्ष उमेश शर्मा, संयुक्त सचिव तपन बनर्जी, रवि सिंह, केएन सिंह, बरुण साहित कई पदाधिकारी शामिल थे।

डीवीसी चंद्रपुरा में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

चंद्रपुरा। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा मंगलवार को 54 वां राष्ट्रीय संरक्षा दिवस/ सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा और वरिष्ठ महाप्रबंधक अविजीत घोष ने डीवीसी के अधिकारियों कर्मचारियों को शपथ दिलाई। 4 मार्च से 11 मार्च तक चलने वाले इस कार्यक्रम में यहां के तेजस भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में काफी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान का संदेश का भी वितरण किया गया। परियोजना प्रधान के संदेश में कहा गया है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संरक्षण निहित है एवं वास्तव में यह सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दामोदर घाटी निगम अपने कर्मचारियों, ग्राहकों एवं भारत के लोगों की संरक्षा को सर्वोपरि रखने की बुनियादी मूल्य के साथ सतत गतिमान है। उन्होंने सभी से प्रत्येक दिन अपने काम को शुरू करने से पहले संरक्षा को सर्वोपरि प्राथमिकता देने तथा एक संरक्षित और दुर्घटना मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की अपील की। इस दौरान सभी ने संकल्प लिया कि हम अपनी संरक्षा और भलाई का ध्यान रखेंगे। हम न केवल अपनी संरक्षा करेंगे, बल्कि अपने देश की प्रगति में भी योगदान देंगे। सुरक्षित भारत ही सशक्त भारत है और हम सब मिलकर विकसित भारत के सपनों को साकार कर सकते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डीसी पांडेय, वरिष्ठ महाप्रबंधक पीके मिश्रा, वरिष्ठ महा प्रबंधक अविजीत घोष, आर के चौबे आदि शामिल थे।

एनडीआरएफ की टीम ने आपदा प्रबंधन पर दिया प्रशिक्षण

गोमिया। मंगलवार को गोमिया प्रखंड कार्यालय के सभागार में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निदेर्शानुसार 9 बटालियन एनडीआरएफ की टीम द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं, रोजगार सेवकों, पंचायत सचिवों तथा प्रखंड एवं अंचल कर्मियों को आपदा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा से जुड़ा विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एनडीआरएफ के सब-इंस्पेक्टर अमरेन्द्र कुमार तथा उनकी टीम में शामिल होम सिंह, विमल किशोर, हिम्मत सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को विभिन्न आपदाओं से निपटने की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ कर्मियों ने प्रदर्शन के माध्यम से उपस्थित लोगों को दिखाया कि किसी बीमार व्यक्ति को कैसे सीपीआर, खून रिसाव को रोकने सहित सुरक्षित तरीके से स्ट्रेचर पर रखकर एम्बुलेंस तक कैसे पहुंचाया जाए। कार्यक्रम में उपस्थित गोमिया के बीडीओ महादेव महतो और सीओ आफताब आलम ने कहा कि आपदा या दुर्घटना कहीं भी और किसी भी समय आ सकती है, ऐसे में यदि लोगों को आपातकालीन बचाव तकनीकों की जानकारी हो तो वे पीड़ित व्यक्ति की जान बचाने में सहायक हो सकते हैं। मौके पर आंगनबाड़ी सुपरवाइजर कुमारी चेतना, रीता कुमारी, मीनू कुमारी, पंचायत सचिव मोनी कुमारी, सुदामा तूरी, रोजगार सेवक विनय गुरु, कौशल किशोर, पन्नालाल शर्मा, विशाल डे, एकराम शम्सी, खुलेश्वर महतो, सेविका गुड़िया देवी, प्रेयसी देवी, खुशबू देवी, ऊषा देवी, आशा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भव्य कलशयात्रा के साथ श्यामा माई मंदिर में भागवत कथा का शुभारंभ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। नगर के सेक्टर-2डी स्थित श्यामा माई मंदिर प्रांगण में मैथिली कला मंच, काली पूजा ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को सात-दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा रसवृष्टि सह होली महोत्सव का शुभारंभ हुआ। भव्य कलशयात्रा के साथ भागवत ज्ञान का यह अद्भुत महोत्सव शुरू हुआ और अब लगातार सात दिनों तक यहां भक्तिरस की सरिता प्रवाहित होती रहेगी।

फागुन के रंग के साथ-साथ भगवान की भक्ति के रंग में भी श्रद्धालु सराबोर होंगे। इस बार लगातार पांचवें वर्ष इस महोत्सव की शुरूआत हुई। इसके लिए भागवत भास्कर श्री कृष्ण चन्द्र शास्त्री जी महाराज के कृपापात्र शिष्य गोविन्द कृष्ण शास्त्री जी श्रीधाम वृन्दावन, मथुरा (उ.प्र.) से अपने सहयोगियों के साथ पधार चुके हैं। मंगलवार सुबह भक्तों ने भव्य कलशयात्रा निकाली, जो सेक्टर-2 स्थित शिव मंदिर के कुएं से शुद्ध जल लेकर सभी मंदिरों की परिक्रमा करते हुए श्यामा मंदिर पहुंचे। यज्ञ के प्रधान यजमान गोविंद मिश्र, मंजू मिश्र, श्यामानंद मिश्र, इंदु मिश्र, मैथिली कला मंच के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र झा, महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर, पं. गोविन्द झा, सुशील कुमार झा, ममता सिंह, वीणा देवी, साधना चौधरी, रागिनी सहित सैकड़ों श्रद्धालु इस अवसर पर उपस्थित रहे। 4 मार्च से 10 मार्च तक आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में गोविन्द कृष्ण शास्त्री जी प्रतिदिन दोपहर 3.00 बजे से संध्या 7.00 बजे तक श्रद्धालुओं को संगीतमय भागवत कथा का रसपान कराएंगे। 11 मार्च को प्रातः 9 बजे पूणार्हुति होगी। मैथिली कला मंच काली पूजा ट्रस्ट के महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर ने अधिकाधिक नगरवासियों से सपरिवार इस कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य का भागी बनने की अपील की है।

बीएसएल के गैस यूटिलिटी विभाग में मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

सुरक्षा मानकों का कड़ाई से करें अनुपालन : विनीत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के गैस यूटिलिटी विभाग में मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यस्थल सुरक्षा और दुर्घटना निवारण पर विशेष जोर देते हुए सुरक्षा मार्च का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक (गैस यूटिलिटी) विनीत कुमार शर्मा ने किया। इस वर्ष की राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की थीम झ ₹सुरक्षा और कल्याणः विकसित भारत के लिए अनिवार्यर₹ के अनुरूप, इस आयोजन का उद्देश्य सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देना, दुर्घटनाओं की रोकथाम को प्रोत्साहित करना और उच्च जोखिम वाले परिचालन क्षेत्रों में समग्र कल्याण को सुदृढ़ करना था। सुरक्षा मार्च के दौरान कर्मियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सुरक्षा जागरूकता संबंधी संदेश प्रसारित किए। कर्मचारियों ने सुरक्षा नारों के माध्यम से कार्यस्थल पर संभावित खतरों, आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के उचित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री शर्मा ने औद्योगिक संचालन में सक्रिय सुरक्षा उपायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रेरित किया। सहायक महाप्रबंधक (ऑपरेशन्स, जीयू) कृष्ण चंद्र पात्र ने विभाग में सुरक्षा प्रोटोकॉल के निरंतर उन्नयन और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने पर बल दिया। सहायक प्रबंधक (सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग) विराट चौधरी ने कार्यस्थल पर जोखिम की पहचान और न्यूनीकरण के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक एस. डब्ल्यू. किस्पोट्टा, प्रबंधक अमन कुमार मिश्रा, सहायक प्रबंधक मनीष स्नेही सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सुरक्षा प्रतिज्ञा के साथ किया गया।

पचास साल बाद होने वाले परिसीमन को लेकर चिंताएं

डॉ सत्यवान सौरभ

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत कर-

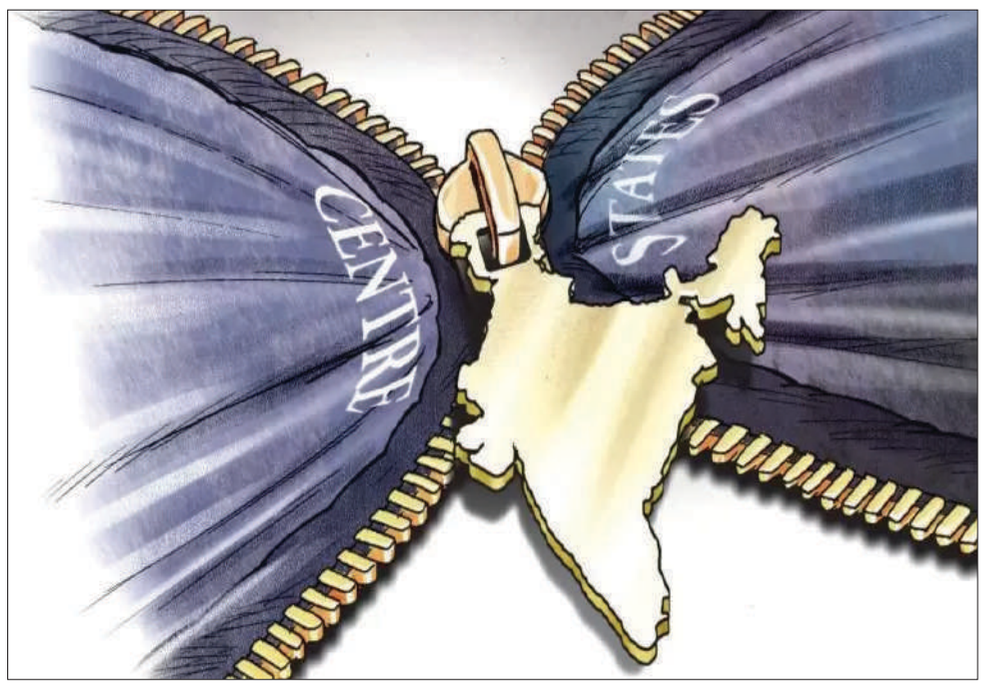

के, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है।

अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए।

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत कर-के, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सांच को आंच नहीं

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अड़ानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंडनबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े.की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आश्वासन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए। सफलताओं के झंडे.गाड़ने के बावजूद सेबी जैसे सम्मानित नियामक पर एक शख्स की वजह से बिला-वजह पड़ने वाले छींटों से बचाने के प्रति सरकार पहले ही प्रतिबद्धता दर्शा सकती थी।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है।

बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

भारत-पाकिस्तान के बीच होती रहनी चाहिए बातचीत

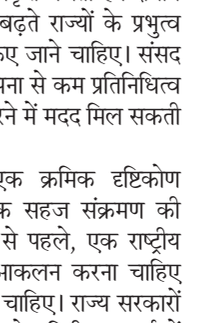

एल.एस. हरदेनिया

आप अपना दोस्त चुन सकते हैं परन्तु पड़ोसी तो स्वभाविक ही होता है। अटल बिहारी वाजपेयी के इन शब्दों को याद करते हुए दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। जिन लोगों ने इस बातचीत में भाग लिया उनमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और अनेक प्रमुख व्यक्ति शामिल थे।

इन सब प्रमुख व्यक्तियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत फिर से शुरू की जाए। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण किताब का विमोचन भी किया गया। किताब का शीर्षक था 'शांति की खोज और भारत और पाकिस्तान के रिश्ते'। इस किताब में 52 लेख शामिल हैं, जो दोनों देशों के अनेक विद्वानों ने लिखे हैं। इन विद्वानों में कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ, नेता और चिंतक शामिल हैं। इन सारे लेखों में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत चलती रहनी चाहिए। इस किताब का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया।

अपने भाषण में अंसारी ने कहा कि ये दोनों देश भारत और पाकिस्तान, एक तरह के एक्सीडेंट से बने हैं। ये ऐसे देश नहीं हैं जिनका कोई लंबा इतिहास हो। ये सिर्फ दुर्घटनावश बने थे।

अंसारी के बाद अनेक नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए। सबने इस बात पर जोर दिया कि हर हालत में भारत और पाकिस्तान के बीच में बातचीत चलती रहनी चाहिए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम एक-दूसरे से घृणा करना बंद कर दें। हम एक थे और अब एक नहीं हैं। हमें घृणा ने विभाजित कर दिया, घृणा ने ही हमें भारत और पाकिस्तान बना दिया। फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचार को उद्धृत करते हुए कहा कि 'हम दोस्त चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।'

पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि हमें ऐसी आवाजें सुनना चाहिए जो शान्ति की हों और जो दोस्ती की हों। जिलानी पाकिस्तान के विदेश सचिव तो रहे ही वे कुछ समय के लिए वहां के विदेश मंत्री भी रहे। उन्होंने उन मुद्दों का उल्लेख किया जो भारत और पाकिस्तान की दोस्ती के रोड़े हैं। उन्होंने भी वाजपेयी जी के वर्ष 2003 में दिए गए एक भाषण का उल्लेख किया। वाजपेयी जी ने कहा था कि 'भारत और पाकिस्तान की दोस्ती इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत पर आधारित है।'

पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री जावेद जब्बार ने भी इस बात पर जोर दिया कि भले ही बंदूकें चलती रहें, तोपों से गोले बरसते रहें परन्तु बातचीत होती रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज आलम ने कहा कि सार्क देशों के बीच बातचीत फिर से चालू होनी चाहिए। ये बातचीत किसी ऐसे देश में होनी चाहिए जिनके भारत और पाकिस्तान से दोस्ताना संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अभी हाल में पाकिस्तान अपनी किक्रेट टीम भेजने ने इंकार कर दिया था। यह एक दुखद घटना है। बाद में दोनों देशों की टीमें दुबई में खेलीं। ऐसा नहीं होना चाहिए। कुल मिलाकर इन दोनों देशों के नेताओं, चिंतकों की यह बातचीत दोनों देशों की दोस्ती में मील का पत्थर साबित होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आधी आबादी : तेजी से बढ़ रही कैंसर मृत्यु दर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरुषों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरू आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। महिलाओं के जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके और भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके।

क्या आप भी

ब्रोकली

को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

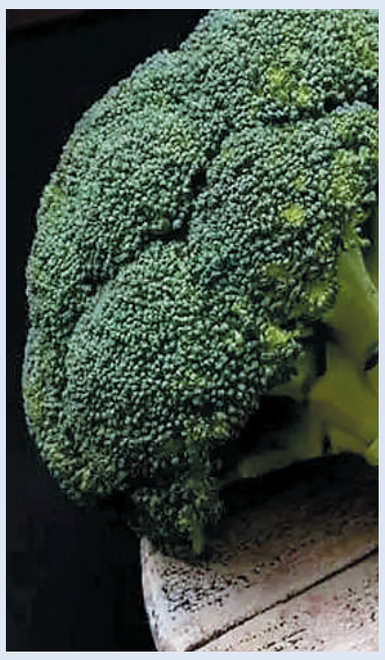

मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताज़ा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं – जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

मेरे सहयोग से ही 1990 में लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री बनें : नीतीश कुमार

पटना। बिहार विधानसभा में मंगलवार को लालू यादव से जुड़े 35 साल पुराने प्रसंग का खुलासा नीतीश कुमार ने किया। उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लालू यादव को उनकी जाति के लोग मुख्यमंत्री 1990 में नहीं बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि लालू यादव की जाति के लोगों ने भी मुझे (नीतीश) को भी इससे मना किया था। बावजूद इसके मैंने लालू यादव का समर्थन किया और उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनवाया।

नीतीश ने कहा कि हाल के समय में उन्होंने दो बार तेजस्वी के साथ भी सरकार बनाई लेकिन दोनों बार इन लोगों ने गड़बड़ किया। इसी कारण वे इनसे अलग हुए और राजग के साथ मिलकर फिर से सरकार बनाई। इसके पहले विधानसभा में तेजस्वी को देखकर नीतीश ने उन्हें बच्चा बोलकर कहा कि आप लोग कुछ नहीं जानते हैं। शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था। उनके मुख्यमंत्री बनने के पहले न तो बिहार में सड़कें थीं और ना ही विकास का कोई अन्य काम हुआ था। यहां तक कि हिंदू-मुस्लिम झगड़ा भी खूब होता था। इसलिए सीएम बनने के बाद सबसे पहले कब्रिस्तान की घेराबंदी का काम कराया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट किया। सीएम नीतीश ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विभिन्न क्षेत्रों में विकास नहीं हुआ और उसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्रों में बड़ा बदलाव हुआ। हालांकि इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही और बाद में विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। इस पर सीएम नीतीश ने तंज कसते हुए कहा कि इ तो भाग गए, इसलिए कि इ लोग को कुछ समझ आ रहा है, चुनौआ में कुछ नहीं मिलेगा ।

नीतीश कुमार ने कहा, पहले समाज में बहुत विवाद होता था, हिंदू-मुस्लिम के बीच बहुत लड़ाई होती थी, पढ़ाई, बिजली की स्थिति बहुत खराब थी। पहले इलाज का इंतजाम नहीं था। जब हम लोग आए हमने इन सब पर काम किया। अब राज्य में डर एवं भय का वातावरण नहीं है। नीतीश ने कहा कि 2016 में महिलाओं को सरकारी नौकरी में हमने आरक्षण देने का फैसला लिया। चुनाव से पहले 12 लाख युवाओं को नौकरी दी। सभी तबके के लोगों का विकास किया। रोजगार वाले युवाओं की संख्या तो 24 लाख हो गई है। सभी धर्म और जाति के लोगों के लिए काम किया। मदरसों को सरकारी मान्यता दी। मुस्लिम महिलाओं के लिए भी काम किया।

वित्त रहित कॉलेज शिक्षकों को नीतीश सरकार का बड़ा एलान, बजट के बाद जारी होगी राशि

पटना। बिहार विधानसभा में मंगलवार को राज्य के वित्त रहित कॉलेजों से जुड़े एक सवाल पर नीतीश सरकार में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बड़ी घोषणा की। विपक्षी सदस्य अजय कुमार सिंह ने मुंगेर विश्वविद्यालय से जुड़े वित्त रहित कॉलेजों के शिक्षकों का बकाया भुगतान नहीं होने का मामला उठाया। इस सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्री ने कहा कि न सिर्फ मुंगेर विश्विद्यालय से जुड़े वित्त रहित कॉलेजों बल्कि राज्य के सभी वित्त रहित कॉलेजों के लिए बजट के बाद राशि जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मद में करीब 300 करोड़ रुपये जारी होने का अनुमान है। उन्होंने अब तक हुई देरी के मामले में कहा कि विश्वविद्यालयों की वर्तमान व्यवस्था त्रुटिपूर्ण है। इसी कारण इसमें देरी हुई। अब बजट के बाद सभी वित्त रहित कॉलेजों के लिए राशि जारी की जाएगी।

आग लगने से जिंदा जला छह साल का बच्चा

नरकटियागंज (पचं)। प्रखंड के चौड़बल गांव में मंगलवार की शाम अचानक लगी आग से दो घर जल गये। लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई है। घर में सो रहा एक मासूम जिंदा जल गया। बच्चे की पहचान चौड़बल गांव निवासी ब्रजेश राम के सूर्य कुमार (6)के रूप में की गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस आग लगने के कारणों की जांच पड़ताल में जुट गई है। बताया जाता है कि चौड़बल गांव में अचानक आग लग गई। इसमें भिखम राम और गोपी राम के घर जलने लगे। घर के लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाए। तभी उन्हें एहसास हुआ कि सो रहा मासूम सूर्य घर में ही छूट गया। उसके बाद वहां कोहराम मच गया। सुरेंद्र राम जलती आग में कूदकर बच्चे को निकालने का प्रयास करने लगा। आग के विकराल रूप के कारण वह बेटे को नहीं बचा सका। किसी तरह अपनी जान बचाकर आग की लपटों से बाहर निकल आया। इस घटना में वह झुलसकर घायल हो गया। उसके बाद बच्चे की मां चनरज्योति भी बच्चे को बचाने के प्रयास में झुलस गई है। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

फिर भाजपा बिहार के अध्यक्ष चुने गये डॉ दिलीप जायसवाल

□ केंद्रीय मंत्री एवं बिहार भाजपा संगठन चुनाव पर्यवेक्षक मनोहर लाल ने की घोषणा

पटना। बिहार प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से डॉ दिलीप जायसवाल की ताजपोशी हुई है। पटना के बापू सभागार में मंगलवार को हुई प्रदेश परिषद की बैठक में औपचारिक तौर पर उनके नाम का एलान किया गया। डॉ जायसवाल ने सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया है। बिहार चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति को मजबूत करने के लिए मंगलवार को पटना में प्रदेश परिषद की बैठक आयोजित की है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को अंतिम रूप देना और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना है। बैठक में प्रदेश परिषद के प्रभारी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अध्यक्ष के लिए दिलीप जायसवाल के नाम की घोषणा की। इस दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सांसद राधा मोहन सिंह, रविशंकर प्रसाद, संजय जायसवाल मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ दिलीप जायसवाल मूलरूप से खगड़िया जिले के रहने वाले हैं।

संक्षिप्त खबरें

फणीश्वरनाथ रेणु की पहचान विश्व स्तर पर थी : मंत्री

मुजफ्फरपुर। जाने माने साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु की 104वें जयंती समारोह मंगलवार को दरभंगा रोड बखरी गोलम्बर स्थित विवाह भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आइटी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने आंचलिकता के जादूगर फणीश्वरनाथ रेणु के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि रेणु जी की पहचान विश्व स्तर पर थी और उनकी कृति में आंचलिकता का समावेश था। वह बिहार माटी के गौरव थे। उन्होंने अपनी रचना के माध्यम से अंचल की पहचान को अप्रतिम ऊंचाई दी। मुखिया वरुण सरकार ने कहा की कथा शिल्पी फणीश्वर नाथ रेणु की लेखनी अद्वितीय थी। उनकी कृतियों के पात्र आज भी जीवंत हैं। प्रो मृदुला राय ने कहा नेपाल की सीमा से सटे उत्तर-पूर्वी बिहार के ग्रामीण माहौल में पले-बढ़े फणीश्वर नाथ का वो प्रगाढ़ जुड़ाव ही था, जिसने दुनिया को मैला-आंचल जैसा प्रतिष्ठित उपन्यास दिया। इस उपन्यास के लिए उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

दूध व्यवसायी की गोली मारकर की हत्या

पुरैनी (मधेपुरा)। पुरैनी प्रखंड क्षेत्र के सपरदह में एक दूध व्यवसायी की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार सपरदह निवासी दूध व्यवसायी प्रवेश यादव पिता स्वर्गीय ब्रह्मदेव यादव प्रत्येक दिन की तरह बाइक से औराय की ओर दूध जमा करने के लिए जा रहा था। इसी क्रम में सोमवार की रात्रि के 9:30 बजे अपराधियों ने गोली चला दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ा और जान बचाने के लिए मकई के खेत की तरफ भागने लगा, लेकिन अपराधियों ने पीछा नहीं छोड़ा। मकई के खेत में ही गोली मारकर हत्या कर दी।

बहू ने प्रेमी के साथ मिल कर की सास की हत्या

मानपुर (गया)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत भोरे पंचायत अंतर्गत तपसी टोला कठौतिया में सोमवार की देर रात 50 वर्षीय महिला (सास) सुनीता देवी को उसके बहू अपने प्रेमी के साथ मिलकर पीट-पीट कर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक सुनीता की 25 वर्षीय बहू रूपा देवी अपने दो छोटे छोटे बच्चों के साथ एक कमरे में बंद हो गयी। पुलिस ने 25 वर्षीय बहू रूपा को हिरासत में ले लिया।

ऑर्केस्ट्रा में छापेमारी, 14 लड़कियां मुक्त

छपरा (सारण)। जिले के गड़खा, अमनौर, और दरियापुर थाना क्षेत्रों में पुलिस की छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को आर्केस्ट्रा संचालकों के चंगुल से मुक्त किया गया। इन लड़कियों को जबरन आर्केस्ट्रा में नृत्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। इनमें से पांच लड़कियां उत्तर प्रदेश के देवरिया से और नौ पश्चिम बंगाल के कुच से थीं। यह कार्रवाई राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र के बाद की गयी थी।

स्टूडियो संचालक को मारी गोली, गयी जान

सरैया (मुजफ्फरपुर)। जैतपुर चौक पर मंगलवार की दोपहर अपराधियों ने स्टूडियो संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद जैतपुर चौक के सैकड़ों दुकानदारों ने दुकानें बंद कर प्रदर्शन किया। मृत स्टूडियो संचालक की पहचान अमैठा पंचायत के सिरकोहिया गांव निवासी अरविन्द सिंह वर्ष के रूप में हुई है। वे लंबे समय से जैतपुर चौक पर सुमन स्टूडियो का संचालन करते थे। एसडीपीओ कुमार चंदन दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की. वहीं दुकानदार कुछ भी बोलने से परहेज करते दिखे। बताया गया कि मंगलवार की दोपहर लगभग 2 ।50 बजे अरविंद सिंह मोबाइल पर क्रिकेट मैच देख रहे थे। इसी बीच अपराधियों ने स्टूडियो में घुसकर उनके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही आसपास के दुकानदार अपनी दुकानों को बंद कर फरार हो गये। स्टूडियो के बगल के मार्केट की पहली मंजिल पर संचालित सीएसपी सेंटर से एक महिला ग्राहक फोटो स्टेट कराने स्टूडियो पर पहुंची।

नेपाली व भारतीय रुपये के साथ युवक गिरफ्तार

घोड़ासहन (पूचं)। एसएसबी 71वीं बटालियन जमुनिया बीओपी के जवानों ने आउट पोस्ट ड्यूटी के दौरान 24 लाख 71 हजार चार सौ नेपाली व 38 हजार सात सौ भारतीय रुपये के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। तस्करी में प्रत्युक्त बाइक व एक मोबाइल फोन को भी जब्त किया है। पकड़े गए युवक की पहचान स्थानीय चार्ट मुहल्ला निवासी अविनाश कुमार के रूप में की गयी है। गिरफ्तार युवक के पास इतना रुपया कहां से आया, एसएसबी इसके बारे में जानकारी हासिल करने में जुटी हुई है। कार्रवाई में एसएसबी के सहायक कमांडेंट समरजीत सिंह के अलावा झरौखर ओपी प्रभारी सहित अन्य जवान शामिल थे।

सीतामढ़ी में चतुर्भुज स्थान मंदिर से अष्टधातु की 11 मूर्तियों की चोरी, लोगों में आक्रोश

□ दानपेटी, पूजा का बर्तन व अन्य सामान भी ले भागे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सीतामढ़ी। शहर के गणेश सिनेमा रोड स्थित चतुर्भुज स्थान मंदिर से अष्टधातु की 11 प्राचीन बेशकीमती मूर्तियां चोर ले गये। घटना सोमवार देर रात की बतायी गयी है। मंदिर की किवाड़ तोड़कर घुसे चोरों ने इन प्राचीन मूर्तियों के अलावा दानपेटी, पूजा का बर्तन व अन्य कई सामान भी ले गये। मंगलवार को सुबह गर्भगृह से मूर्तियों के चोरी होने की खबर सुनकर बड़ी संख्या में आसपास के लोग पहुंच गये।

सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ-1 राम कृष्णा व नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर विनय प्रताप सिंह दल बल के साथ पहुंचकर छानबीन की। जांच के दौरान मंदिर की केयरटेकर नूतन देवी से जानकारी ली। नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि करीब 140 वर्ष पुरानी 11 अष्टधातु की मूर्तियों के साथ छोटी-छोटी 8-9 मूर्तियां ग़ायब हैं।

इनमें से अष्टधातु से बनी राम-जानकी की सबसे बड़ी मूर्ति भी चोरी गयी है। सीसीटीवी फुटेज में चोरों की कारस्तानी कैद हुई है। तीन अपराधियों ने रात्रि में मंदिर के गेट में लगे ताला को तोड़कर सभी मूर्तियों की चोरी की है। जिले में लगातार मंदिरों से मूर्तियां चोरी हो रही हैं।

इससे पूर्व 26 फरवरी 2025 की रात्रि में चोरों ने डुमरा थाना क्षेत्र के परमानंदपुर दुल्हिन पोखर स्थित शिव मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ कर मूर्तियां चोरी कर ली थीं। झोपड़ी में आग भी लगा की थी। चोरी की घटना से लोगों में काफी आक्रोश है।

पेज एक का शेष

एसडीओ कार्यालय...

भूमि सुधार उप-समाहर्ता का निर्णय आना बाकी है। आवेदक ने लिखा है कि अपने वाद से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिये जब वह भूमि सुधार उप-समाहर्ता, सिमरिया के स्टोनो आफताब से मिले, तब उनके द्वारा बोला गया कि आपके पक्ष में निर्णय लिखवा देंगे। इसके लिये 60 हजार रुपये देना होगा। वे घूस देना नहीं चाहते थे। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए हजारीबाग के भ्रष्टा चार निरोधक ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक के पदनाम से आवेदन दिया था। उक्त आवेदन के संबंध में सत्यापनकर्ता द्वारा विधिवत सत्यापन किया गया। सत्यापन के क्रम में आरोपी द्वारा आवेदक से अग्रम राशि 10 हजार रुपये रिश्वत मांगें जाने की बात सत्य पाई गई है। परिवादी के आवेदन एवं सत्यापनकर्ता के सत्यापन प्रतिवेदन के आधार पर एसीबी ने 3 मार्च, 2025 पंजीकृत किया गया।

एसीबी में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में गठित ट्रैप टीम द्वारा 4 मार्च, 2025 को प्राथमिकी अभियुक्त आफताब अंसारी कंप्यूकटर ऑपरेटर (गोपनीय), अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय, सिमरिया, जिला-चतरा को वादी से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के पश्चात अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बजट सत्र के...

यह कार्रवाई चलते सत्र में ही की जाएगी।

सिमडेगा को पर्यटक नगरी घोषित करने की मांग : भूषण बाड़ा ने सिमडेगा को पर्यटक नगरी घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रामरेखा धाम, केला घाघ, बसंतपुर, अरगोड़ा और क्रुस टोंगरी को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने बताया कि इसके लिए 18 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। पर्यटक स्थल के विकास के लिए पर्यटन निदेशालय भी तैयार है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। भूषण बाड़ा ने पर्यटन नीति बनाने की मांग की।

झारखंडियों का...

हम बजट का आधा हिस्सा आधी आबादी के लिए खर्च कर रहे हैं, लेकिन कुछ चतुर लोगों की नजर भी इस हिस्से पर है।' हेमंत सोरेन ने कहा कि जानकारी मिली है कि ये चतुर लोग फर्जी तरीके से राशि की निकासी कर ले रहे हैं। ऐसा होने नहीं दिया जायेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसा कोई काम न करें, जिससे सरकार को इस राज्य को पिछड़ेपन से निकालने में युग लग जाये। राज्य को पैरों पर खड़ा करना होगा और इसके लिए प्रयास जारी है।

केंद्र को देश के विकास की चिंता नहीं : हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां उसे न ही विकास की कोई चिंता है, न ही कोई कोशिश हो रही है। वर्तमान में देश की स्थिति ठीक नहीं है। महंगाई बढ़ गयी है। हर चीज पर टैक्स लगा दिया गया है। नमक से लेकर किताब, कलम, कॉपी तक महंगी हो गयी है। इस स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने लोगों को आर्थिक मदद देने का फैसला लिया और इसके तहत आर्थिक मदद दी जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर...

इसके बाद कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की और भारत को संभाला। श्रेयस हालांकि अर्धशतक लगाने से चूक गए और 62 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस के आउट होने के बावजूद कोहली क्रीज पर डटे रहे और भारत को जीत के करीब लेकर गए। कोहली शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एडम जैम्पा की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। कोहली के आउट होने के बाद केएल राहुल और हार्दिक पांड्या ने मोर्चा संभाला। हार्दिक ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और भारत के जीत के बेहद करीब ले आए। जब टीम को जीत के लिए छह रन बनाने की जरूरत थी, तभी हार्दिक बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हो गए। हार्दिक ने 24 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक के आउट होने के बाद केएल राहुल ने मैक्सवेल की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत इसके साथ ही लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा है।

इससे पहले टीम 2013 और 2017 में भी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रही थी। राहुल 34 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि जडेजा भी दो रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम जैम्पा ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बेन ड्वारशुइस और कूपर कोनोली को एक-एक विकेट मिला।

रेलवे की विभागीय...

कथित ओएस (ट्रेनिंग) ने कथित तौर पर इसे कुछ अन्य रेलवे कर्मचारियों के माध्यम से अभ्यर्थियों को दिया।

डीईई और अन्य रेलवे कर्मचारियों को सीबीआई ने किया गिरफ्तार : सीबीआई ने आरोपी सीनियर डीईई (ऑपरेशन) और अन्य रेलवे कर्मचारियों को पैसे इकट्ठा करने और प्रश्नपत्र वितरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वर्तमान में लोको पायलट के रूप में काम कर रहे 17 विभागीय उम्मीदवारों ने कथित तौर पर प्रश्नपत्र के लिए पैसे दिए और 3-4 मार्च की रात को प्रश्नपत्रों की प्रतियों के साथ रंगे हाथों पकड़े गए, उन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस मामले में अब तक कुल 26 रेलवे अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 8 स्थानों पर तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप 1.17 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। कथित तौर पर यह रकम प्रश्नपत्र लीक करने के लिए उम्मीदवारों से वसूली गई थी। हाथ से लिखे प्रश्नपत्रों के साथ उनकी फोटोकॉपी भी जब्त कर ली गई और इन प्रश्नपत्रों का मिलान मूल और वास्तविक प्रश्नपत्र से किया गया और पाया गया कि वे मेल खाते हैं।

झारखंड फिल्म...

दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि, जिफ्फा के आयोजन में संस्था के चेयरमैन ने बिना किसी अनुमति के झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तस्वीरों और राज्य के लोगो (प्रतिक चिन्ह) का इस्तेमाल किया। यह कानूनन गलत है। झारखंड अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल (जिफ्फा) के आयोजन पर प्रशासन ने दूसरे दिन रविवार को ही रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि इस आयोजन को लेकर कोई अनुमति नहीं ली गयी थी। प्रशासन ने बताया कि आयोजक ने आवेदन दिया था, लेकिन उनको अनुमति प्रदान नहीं की गयी थी। इसके अलावा मोरहाबादी मैदान में किसी भी आयोजन को लेकर एक फीस निर्धारित है, उसका भुगतान भी नहीं किया गया था।

कलाकारों में दिखी नाराजगी : फिल्म फेस्टिवल के अचानक से रद्द होने के कारण बाहर से आए कलाकारों में नाराजगी भी देखने को मिली थी। कई बड़े कलाकारों को इस फिल्म फेस्टिवल के लिए आमंत्रित किया गया था। कई कलाकार आयोजन स्थल पर भी पहुंच चुके थे, लेकिन कार्यक्रम रद्द होने की खबर पाकर वापस लौट गए। वहीं इस फिल्म फेस्टिवल में हजारों की संख्या में फैंस भी पहुंचे थे। जिन्हें कार्यक्रम रद्द होने के कारण निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

किसी को मियां...

शिकायतकर्ता ने अपने एफआईआर में आरोप लगाया कि जब वह एक आरटीआई आवेदन के संबंध में जानकारी मांगने गया, तो आरोपी ने उसके धर्म का हवाला देते हुए उसके साथ दुर्व्यवहार किया। जब यह मामला झारखंड हाईकोर्ट पहुंचा, तो अदालत ने इसे गंभीर अपराध बताते हुए आरोपी को आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने हाईकोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जिस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई की।

साइबर ठगों का...

बैंक में रखे उसके सारे पैसे साइबर क्रिमिनल्स ने निकाल लिये। पूरी जमा पूंजी गंवाने के बाद मोरहा उरांव काफी परेशान रहने लगा था। बच्चों की परवरिश और पढ़ाई को लेकर चिंतित था। आखिरकर उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

घर के पीछे पेड़ से लटका मिला किसान मोरहा का शव : परिजन जब मंगलवार की सुबह उठे, तो उसे घर में नहीं देखकर खोजबीन की। इसी दौरान उसे घर के पीछे आम के पेड़ के सहारे फांसी पर लटका पाया। इसकी सूचना गुमला पुलिस को दी गयी। गुमला पुलिस के एएसआइ अरविंद कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पंचनामा किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

एएसआइ बोले- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कह सकेंगे : एएसआइ अरविंद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की हर बिंदु पर बारीकी से छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और जांच के बाद ही पक्के तौर पर कुछ कहा जा सकता है।

शेरों के बीच...

तेजस्वी सफेद शेर : एक दुर्लभ सफेद शेर, जिसकी चमकदार सफेद अयाल धूप में दमक रही थी। ये शेर प्रमुख रूप से दक्षि अफ्रीका में पाए जाते हैं। ये अल्बिनो नहीं होते, बल्कि एक अत्यंत दुर्लभ जीन्स के कारण सफेद होते हैं। पीएम मोदी इस तेजस्वी विशालकाय जीव के पास बैठकर शांति से उसे निहारते हैं। जहां इन शेरों की संख्या तेजी से घट रही है, ऐसे में वनतारा जैसे अभयारण्य इन्हें बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पीएम मोदी ने एक सफेद बाघ का निरीक्षण किया, जो सामान्य बंगाल टाइगर्स से अलग, एक दुर्लभ आनुवंशिक भिन्नता के कारण सफेद होता है। कैद से छुड़ाया गया ये बाघ अब सुरक्षित वातावरण में संरक्षित जीवन जी रहा है।

गोल्डन बंगाल टाइगर से पीएम मोदी का सामना : पीएम मोदी का सामना दुर्लभ गोल्डन बंगाल टाइगर से हुआ। यह बंगाल टाइगर की एक दुर्लभ प्रजाति है, जिसकी सुनहरी आभा वाली खाल इसे खास बनाती है। दुनिया में इसकी संख्या बेहद कम बची है, और वनतारा इसके संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

अफ्रीकी शेर कृष्णा के साथ हाई-फाइव : एक दुर्लभ नजारा! पीएम मोदी ने अफ्रीकी शेर कृष्णा के साथ मजेदार अंदाज में हाई-फाइव किया। शेर बिग कैट फैमिली का एक मात्र हिस्सा हैं जो सोशल ग्रुप्स में रहते हैं, जिसे प्राइड कहा जाता है। कृष्णा को बेहद खराब परिस्थितियों से बचाया गया था। अब वह सुरक्षित और देखभाल भरे माहौल में खुलकर जी रहा है।

तानाशाह किम जोंग...

किम यो जोंग ने अमेरिका और उसके चाहने वालों पर उकसाने का आरोप लगाया। किम यो जोंग की चेतावनी का मतलब यह है कि उत्तर कोरिया संभवतः हथियार टेस्ट में और तेजी लाएगा। अमेरिका के खिलाफ टकराव का रुख वह बरकरार रखेगा। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह कूटनीति को फिर से जिंदा करने के लिए किम जोंग उन से संपर्क करेंगे।

उत्तर कोरिया की सुरक्षा पर खतराः सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, एक बयान में किम यो जोंग ने अमेरिका पर उत्तर कोरिया के प्रति दुश्मन देश जैसा बर्ताव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोरिया प्रायद्वीप में अमेरिकी रणनीतिक संसाधनों की तैनाती उत्तर कोरिया की सुरक्षा पर खतरा है। उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा को लेकर प्लान तैयार कर रहा है। रविवार को अमेरिका का विमान वाहक पोत यूएसएस कार्ल विन्सन और उसका 'स्ट्राइक' समूह दक्षिण कोरिया पहुंचा। इसके बाद किम यो जोंग की प्रतिक्रिया सामने आई है।

45 दिनों में...

विधानसभा में एक सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "समाजवादी पार्टी इसमें ज्यादा चर्चा कर रही थी कि इसमें नाविकों का शोषण हो रहा है, नाविकों की देखभाल नहीं की जा रही है। मैं एक नाविक परिवार की सक्सेस स्टोरी यहां बता रहा हूं। ये नाविक परिवार, जिनके पास 130 नौकाएं थीं। 45 दिनों की अवधि में इन लोगों ने शुद्ध बचत की है 30 करोड़ रुपये की। यानी एक नाव ने 45 दिनों में 23 लाख रुपये की बचत की है, कमाई की है।

'एक नाविक परिवार ने कुंभ में 45 दिन में 30 करोड़ की कमाई की': करीब 2 मिनट 30 सेकेंड के इस वीडियो में योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, "और इसमें मैं तो गया था 27 तारीख को प्रयागराज और प्रयागराज में हमने मां गंगा के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर की। मां गंगा का पूजन किया था, सफाई भी की थी। इसके उपरांत हमलोगों ने इस महाकुंभ के आयोजन में स्वच्छ रखने में योगदान किया था, उन स्वच्छताकर्मियों के साथ में और जिन स्वास्थ्यकर्मियों ने संक्रमण नहीं फैलने दी, उन स्वास्थ्यकर्मियों के साथ में जो वॉरियर्स थे, उनका सम्मान किया था।"

परिवहन और रेलवे के अधिकारियों को सीएम योगी ने किया धन्यवाद : उन्होंने कहा, "इसके बाद हमारा दूसरा जो आयोजन था, वह नाविकों के साथ ही था। नाविकों के साथ भी हमने संवाद बनाया था। उनके लिए भी हमने एक पैकेज की घोषणा की। इसके उपरांत हमलोगों ने परिवहन के कर्मचारियों के प्रति और रेलवे के कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया था, जिन्होंने श्रद्धालुजनों को वहां तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया। उनके साथ भी हम लोगों ने कार्यक्रम किया था। इसके उपरांत हमलोगों ने सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के साथ में कार्यक्रम किया था।"

झारखंड में पीएलएफआई...

नदी किनारे पड़े थे दोनों के शवः एसपी के अनुसार बंदगांव थाना को सूचना मिली कि फूलझरी नदी के पास दो शव पड़े हैं। पुलिस ने अभियान चलाकर सत्यापन किया। दोनों के शवों की पहचान हुई। एसपी ने कहा कि पीएलएफआई के दो गुटों में विवाद के बाद गोलीबारी हुई। दोनों मृतकों का आपराधिक इतिहास रहा है। बताया जा रहा है कि पीएलएफआई संगठन के कुछ लोग अलग गुट बनाने में लगे थे। इसे लेकर संगठन में विवाद हुआ।

गोलीबारी में ये मारे गये : परवेल सांडी पूर्ति, ग्राम : बारी माइलडीह, थाना : बंदगांव (पश्चिमी सिंहभूम), बंदगांव थाने में तीन मामले दर्ज और आशिक तांती उर्फ गुलटु (28), ग्राम : मुरुमबुस, थाना : बंदगांव (पश्चिमी सिंहभूम), बंदगांव थाने में दो मामले दर्ज।

सर्च अभियान में बरामद सामान : एक देसी पिस्टल (मैगजीन समेत), पिस्टल की एक जिंदा गोली, 12 बोर की दो गोली, तीन मोबाइल फोन, पीएलएफआइ की लेवी रसीद, काले रंग का पीठू बैग, 402 रुपये नकद व अन्य सामग्री।

महाराष्ट्र के मंत्री...

धनंजय मुंडे के पीए प्रशांत जोशी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास पहुंचकर उन्हें मुंडे का इस्तीफा सौंपा था। फडणवीस ने कहा कि मुंडे ने मुझे अपना इस्तीफा भेजा है। मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और इसे राज्यपाल को भेज दिया है।

दरअसल सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में महाराष्ट्र की महायुति सरकार में मंत्री रहे धनंजय मुंडे विवादों में घिर गए थे। एसआईटी ने अपनी चार्जशीट में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड को बीड जिले में जबरन वसूली का विरोध करने वाले सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मास्टरमाइंड के रूप में नामजद किया था।

यूपी में सपा नेता की गला रेत कर हत्या, गांव में तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

जौनपुर (एजेंसी)। यूपी के जौनपुर में बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी नेता की गला काट कर हत्या कर दी। उनका शव परियावा गांव में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। हत्या के बाद वहां लोगों में आक्रोश फैल गया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र परियावां गांव के रहने वाले राजेश यादव नाटे सक्रिय सपा कार्यकर्ता थे। वह बूथ अध्यक्ष थे। सोमवार देर रात उनका शव गांव के ही टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। उनका गला काटकर हत्या की गइ थी। किसी ने सपा नेता का शव देखा तो शोर मचाया। सपा नेता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस को लोगों से पूछताछ चुनावी रंजिश और वर्चस्व में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सपा नेता की हत्या की सूचना मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में कहा कि मृतक राजेश यादव हमारे पार्टी का बूथ अध्यक्ष थे, जो रात में बाजार से घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने राजेश यादव की हत्या कर फरार हो गए। वहीं कानून व्यवस्था पर भी सपा जिलाध्यक्ष राकेश ने सवाल उठाए हैं। एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हत्या की जांच शुरू कर दी गई है और टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

ओडिशा हाईकोर्ट ने 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात की अनुमति दी

कटक (एजेंसी)। ओडिशा हाईकोर्ट ने 6 माह (27 हफ्ते) की गर्भवती 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात (अबॉर्शन) की अनुमति दी है। पीड़िता सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है। कोर्ट ने माना कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के जीवन और सेहत को गंभीर खतरा है। बीमारियों की वजह से बच्चे को जन्म देना उसके लिए बहुत खतरनाक हो सकता था। कंधमाल निवासी पीड़ित अनुसूचित जाति (एससी) से है। पिछले साल एक लड़के ने उसके साथ कई बार रेप कर जान से मरने की धमकी दी। इस डर से बच्ची ने घर पर कुछ नहीं बताया। जब बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, तब मां डॉक्टर के पास ले गई। इसके बाद रेप का मामला सामने आया। 11 फरवरी को पीड़ित के माता-पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई। बच्ची की मेडिकल जांच हुई। जांच में प्रेग्नेंसी सामने आई। इसके बाद मामला उड़ीसा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां बच्ची के पिता ने गर्भपात की इजाजत मांगी। इसके बाद कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया था। बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को गंभीर खतरा होगा। रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की।

मार्च में ही गर्मी दिखाने लगी असर, कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री पार

-होली पर गर्म हवाएं चलने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार मार्च में तेज गर्मी झेलनी पड़ सकती है। सर्दी के मौसम में तुलनात्मक रूप से बारिश कम हुई है। इसके असर से तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मार्च में कई जिलों में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आगरा गर्म रहने वालों जिलों में से एक है। बुधवार से यहां दिन में तेज हवाएं चलेंगी। इस बार मार्च से मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं, बल्कि हीटवेव में भी इजाफा हो सकता है। होली पर भी लू चल सकती है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रही। यही कारण है कि सामान्य से 88 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इससे फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा है। इन गर्मियों में भी पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रहने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियों के आगामी सीजन के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में संभावित परिवर्तन के आसार हैं। मौसम विभाग की मानें तो बुधवार और गुरुवार को आगरा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इन दोनों दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा में दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तामपान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता 75 फीसदी रही है। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य के प्रति सावधानी जरूरी है।

पाकिस्तानी लड़की ने की सीआरपीएफ जवान से शादी, 15 दिन के वीजा पर आई भारत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के भलवाल गांव में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद ने पाकिस्तानी दुल्हन मनेल खान से शादी की है। मनेल 15 दिन के वीजा पर भारत आई हैं। ये शादी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई थी। भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के बीच यह शादी चर्चा का विषय बन गई है। मुनीर अहमद सीआरपीएफ में जवान हैं और शिव खोरी, रियासी जिले, जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। उनकी दुल्हन मनेल खान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरांवाला इलाके के मोहम्मद असगर खान की बेटी हैं। 24 मई 2024 को दोनों ने अनोखे अंदाज में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शादी की थी, क्योंकि वीजा मिलने में दिक्कत थी। शादी के बाद मनेल को 15 दिन का वीजा मिला। इसके बाद वह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत आई हैं। ससुराल वालों ने उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया। मनेल के आने की खबर सुनकर गांव वाले भी उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़े।

क्या दक्षिण भारत से होगा भाजपा का नया अध्यक्ष? कई नामों को लेकर जारी है अटकलों का दौर

जी किशन रेड्डी, दग्गुबाती पुरंदेश्वरी व वनाथी श्रीनिवासन के नाम की हो रही चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी को होली के बाद और 21 मार्च से पहले किसी भी समय अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की संभावना है। इसको लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जाता है कि 21 से 23 मार्च तक बैंगलोर में होने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक से पहले भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। हालांकि, भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा, इसपर फैसला अब तक नहीं हो सका है। हालांकि, कई नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी संविधान के तहत 50 फीसदी राज्यों में संगठन चुनाव को लेकर भाजपा नए सिरे से सक्रिय हो गई है। चयनित राज्यों को 14 मार्च तक संगठन चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। अब तक, पार्टी 50 प्रतिशत की कसौटी पर खरा उतरने के लिए आवश्यक 18 राज्यों में से केवल 12 में ही संगठनात्मक चुनाव करा पाई है। बीजेपी के एक सूत्र की मानें तो अगले कुछ दिनों में पार्टी बाकी छह राज्यों में अपने संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

आने वाले वर्षों में भाजपा का मुख्य फोकस दक्षिण पर होगा, इसलिए संभावना है कि अगला भाजपा अध्यक्ष विंध्य के दक्षिण से आएगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, जो आंध्र प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष भी थे, का नाम चर्चा में है। संयोग से, वह उस राज्य से आते हैं जिसने बंगारू लक्ष्मण को जन्म दिया, जो आगे चलकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। एक और नाम जो दक्षिण से चर्चा में है वह आंध्र प्रदेश से भी है - दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, जो वर्तमान में एनडीए शासित राज्य में भाजपा प्रमुख हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर से विधायक वनाथी श्रीनिवासन की भी चर्चा हो रही है। हालाँकि, पिछले साल की शुरुआत से, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावड़े और भूपेन्द्र यादव का नाम लगातार उनकी संगठनात्मक क्षमता और टीम वर्क मानसिकता के कारण संभावितों में शामिल हो रहा है। जब उनसे अगले संभावित बीजेपी अध्यक्ष के बारे में पूछा गया तो बीजेपी सूत्र ने हंसते हुए कहा, 'हम भी उतना ही जानते हैं जितना आप अगले बीजेपी अध्यक्ष के बारे में जानते हैं। दरअसल, हम नए नामों के बारे में जानने के लिए टीवी या वेबसाइट देखते हैं।'

किसान चंडीगढ़ कूच करते उसके पहले ही पुलिस ने कर दिया बड़ा एक्शन, कई नेता हिरासत में

टांडा (एजेंसी)। पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 5 मार्च को चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन के ऐलान के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। इसके चलते पुलिस ने अनेक किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। जानकारी अनुसार किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को रात करीब 2-30 बजे हिरासत में लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष जंगवीर सिंह चौहान को टांडा पुलिस ने सुबह 4 बजे उनके गांव रसूलपुर से हिरासत में लिया। बीकेयू कादियां के जिला लुधियाना अध्यक्ष हरदीप सिंह ग्यासपुरा, मोहन सिंह संधेर, और बलबीर सिंह खीरनिया को भी हिरासत में लिया गया। समराला विधानसभा क्षेत्र में करीब एक दर्जन जगहों पर छापेमारी कर कई अन्य किसान नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि सीएम भगवंत मान और किसान नेताओं के बीच चली बैठक बेनतीजा रही है। चंडीगढ़ कूच से पहले किसान संगठनों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन बैठक विवादों में घिर गई। सीएम भगवंत मान ने किसानों से चक्का जाम और आंदोलन न करने की अपील की, लेकिन किसानों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे सीएम बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए। इस बैठक के बाद सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा— सड़कों और रेल को रोकना किसी समस्या का हल नहीं है। इससे आम जनता को परेशानी होती है और कारोबार प्रभावित होता है।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच खरगे से मिले डीके शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खड़गे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है, इसलिए मैं गया।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खड़गे को बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय के शिलान्यास समारोह में भी आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय की नींव रख रहे हैं। मैंने उन्हें इसके लिए भी आमंत्रित किया है। इससे पहले, मोइली ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नेतृत्व और पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों से यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ-वहाँ बयान हो सकते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवकुमार का नेतृत्व श्रद्धेय जैन देवता की तरह फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि आपने (डीके शिवकुमार) अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी बनाई है। लोग बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसे लेकर उत्तेजित होने की जरूरत नहीं है। आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री बनना कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए, यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित किया है।

आकाश आनंद का हो रहा था नया गुट तैयार, मायावती ने दिखाया बाहर का रास्ता

-बसपा सुप्रीमो के करीबी नेताओं की हो रही थी उपेक्षा, इसलिए उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती इस वक्त फुल एक्शन में हैं। वह अचानक लिए फैसलों से सबको हैरान कर रही हैं। इस बार तो उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को ही पार्टी से निकाल दिया है। पहले आकाश आनंद को मायावती ने नेशनल कॉर्डिनेटर के पद से हटाया और फिर सोमवार को उन्हें बसपा से ही बाहर निकाल दिया। उनके इस फैसले को पार्टी के अंदर पैदा हुए संकट से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद को मायावती ने उत्तराधिकारी घोषित किया था तो दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों का प्रभारी भी बनाया था। वह चुनाव की कमान संभाल रहे थे। उम्मीदवार उनके स्तर पर तय हो रहे थे तो वहीं प्रचार का भी वही नेतृत्व कर रहे थे। 2017 में आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। इसके बाद 2019 में आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया। 2023 में उन्हें अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया। कुछ महीने सब ठीक चला, लेकिन लोकसभा चुनाव में आकाश के आक्रामक तेवरों और सीधे पीएम मोदी पर हमले को मायावती ने सही नहीं माना। उन पर एफआईआर हुई तो पद से ही हटा दिया। फिर से वापसी कराई गई तो आकाश को फिर सभी जिम्मेदारी मिल गई, लेकिन अब बाजी फिर पलट गई। बुआ मायावती ने आकाश से सारे पद छीने लिए हैं और उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि आकाश का अपना एक गुट तैयार हो गया था। यह गुट मायावती के करीबी नेताओं की उपेक्षा कर रहा था। इससे बचने के लिए उन्होंने भतीजे को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है और यह भी साफ कर दिया है कि कोई उनका राजनीतिक वारिस नहीं होगा। इस तरह उन्होंने सत्ता का कोई दूसरा केंद्र उभरने की संभावना ही खत्म कर दी है। रामजी गौतम को भी राष्ट्रीय संयोजक बनाया है, जो उनके बेहद करीबी हैं।

बसपा के कुछ नेताओं का कहना है कि आकाश आनंद को कमान मिली तो रामजी गौतम साइडलाइन हो गए थे। इसके अलावा भी मायावती के कई करीबी किनारे लगे थे। ऐसे में मायावती ने भतीजे को ही हटाना सही समझा ताकि कोई दूसरा गुट न उभर सके।

पहले से कमजोर बसपा में गुटबाजी होना उनके लिए चिंता की बात है। आकाश पर एक आरोप फंड में गड़बड़ी का भी लगा है। मायावती ने उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर किया था और उनसे करीबी बनाए रखने की सजा भी उन्होंने भतीजे को दी है। इस तरह मायावती ने यह संदेश भी दिया है कि उनके लिए सब एक समान हैं। यदि कोई परिवार का है तो उसे वह कोई छूट नहीं देंगी।

फास्टैग में लो बैलेंस या भुगतान में देरी हुई तो देना होगा अतिरिक्त शुल्क

-सरकार के सख्त कदम से गलत टोल कटौती के मामलों में आई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाए हैं और गलत टोल कटौती के मामलों में भारी कमी दर्ज की है। फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम है, जो गाड़ी के फ्रंट शीशे पर लगाया जाता है और आपके प्रीपेड वॉलेट से जुड़ा होता है। जब वाहन टोल प्लाजा से गुजरता है, तो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के अपने आप भुगतान हो जाता है। एनपीसीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2024 में फास्टैग लेनदेन 6 फीसदी बढ़कर 38.2 करोड़ हो गए, जबकि इसका कुल मूल्य 9 फीसदी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपए हो गया।

कई बार टोल ऑपरेटर वाहन का गलत नंबर दर्ज कर देते हैं। जब फास्टैग ठीक से स्कैन नहीं करता तो ऑपरेटर मैन्युअल रूप से एंट्री करता है, जिससे गलत कटौती हो जाती है। स्कैनर में तकनीकी दिक्कत या सिस्टम एरर के कारण भी यह समस्या आती है। गलत टोल कटौती के मामलों पर हाईवे ने सख्ती बरती है। कम से कम 250 मामलों में टोल ऑपरेटरों को दंडित किया है। टोल प्रबंधन इकाई ने 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया। इस सख्ती से 70 फीसदी तक मामलों में कमी आई और अब हर महीने 50 शिकायतें मिल रही हैं।

सरकार ने फास्टैग को लेकर नए नियम लागू किए हैं जिसमें अगर फास्टैग में लो बैलेंस है या भुगतान में देरी होती है, तो अतिरिक्त शुल्क देना होगा। टोल से गुजरने के 10 मिनट बाद तक फास्टैग सक्रिय नहीं रहा, तो लेनदेन अस्वीकार हो जाएगा। टोल पार करने के 15 मिनट बाद भुगतान होने पर अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। बैंकों और डिजिटल वॉलेट्स से फास्टैग खरीदा जा सकता है। टोल प्लाजा और पेट्रोल पंप पर भी फास्टैग उपलब्ध होते हैं। इसे समय-समय पर रिचार्ज करना जरूरी है। एनएचएआई की कड़ी निगरानी और सख्त जुर्माने से गलत फास्टैग कटौती के मामले कम हुए हैं, लेकिन अगर आपके साथ यह समस्या हो, तो शिकायत दर्ज कराकर पैसे वापस लिए सकते हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रवेश द्वार पर पान मसाला थूकने पर भड़के अध्यक्ष

कहा- सदन की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक अनुशासनहीन की घटना पर नाराजगी जताई है। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला खाकर थूके जाने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल वहां जाकर सफाई करवाई और इस अव्यवस्थित व्यवहार की भर्त्सना की।

इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महाना ने कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है, लेकिन किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि यदि भविष्य में वे किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

अध्यक्ष महाना ने कहा कि जिसने यह कार्य किया है, वह खुद आगे आकर स्वीकार करे, अन्यथा उन्हें बुलाना पड़ेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यूपी विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। सत्र के 9वें दिन मंगलवार को बजट पर चर्चा हुई। इससे पहले सोमवार को सदन में काफी गहमागहमी हुई थी। सपा के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए जाने और कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए के प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वॉक-आउट कर दिया था। इसके साथ ही विधानसभा में सोमवार को चार विभागों गन्ना, सिंचाई, कृषि और एमएसएमई विभाग का बजट पास हुआ। इसके साथ ही ऊर्जा और नगर विकास विभाग का बजट पेश हुआ।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभाग के परिव्य को चुकाने और जरूरी खर्चों के लिए 9075 करोड़ 3 लाख 96000 रुपए का प्रस्ताव रखा। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 14033 करोड़ 8 लाख 47 हजार 3000 का बजट पेश किया। गन्ना विकास एवं चीनी मिले मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने 769 करोड़ 5 लाख 83 हजार और लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने 3209 करोड़ 84 लाख 24000 रुपये बजट पेश किया। कटौती प्रस्तावों पर चर्चा के बाद इसे पास किया गया। इसके साथ ही नगर विकास और ऊर्जा विभाग का बजट भी पेश किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायलों को अब डेढ़ लाख रुपये तक का मिलेगा फ्री इलाज

-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना में घायलों को इसी माह से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम निजी हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो कि सफल साबित हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि घायल को

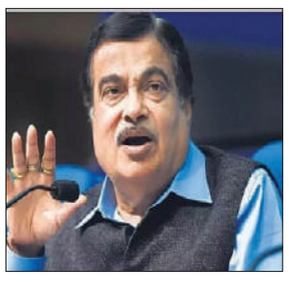

पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू होगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेगा। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरू की थी। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना को देशभर में अधिकारी रुप से लांच करने की घोषणा की। इस योजना के तहत देश में कहीं भी सड़क एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे घायल शख्स 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा।

डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है, तब बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके।

अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जायेगा भ्रष्टाचार

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- आरोप लगाकर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

इस मामले में अधिकारी पहले हाईकोर्ट गए थे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां कोर्ट ने अवैध लाभ की ठोस मांग और स्वीकार्यता के अभाव में मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से अथॉरिटी के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। अब रिश्वत की मांग और स्वीकार्यता का प्रमाण जरूरी होगा, केवल शक्ति के दुरुपयोग के आधार पर भ्रष्टाचार का मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सिर्फ प्रशासनिक गलतियों को भ्रष्टाचार नहीं माना जाएगा। अधिकारियों पर लगाए जाने वाले आरोपों की जांच में अब अधिक सबूतों की जरूरत होगी। सजा केवल तभी मिलेगी जब रिश्वत लेने या देने के पुख्ता सबूत होंगे।

महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर की याद में सेमीफाइनल में काली पट्टी बांधकर उतरी भारतीय टीम

दुबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। यह मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जारी है। भारतीय टीम इस मैच में बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरी। दरअसल, मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को निधन हो गया था। भारतीय खिलाड़ी उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

शिवलकर ने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। बाएं हाथ के स्पिनर शिवलकर देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक थे जिन्हें कभी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। उनकी गिनती घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में होती थी। वह 10 बार रणजी चैंपियन बन चुके हैं।

शिवलकर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 2017 में सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। महान सुनील गावस्कर ने सोमवार को मुंबई और घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पद्माकर शिवलकर को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कुछ अन्य की तुलना में भारतीय टीम में खेलने के अधिक हकदार थे।

शिवलकर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया और 48 साल की उम्र तक खेलना जारी रखा। उन्होंने भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में 361 विकेट लिए जिसमें 11 बार मैच में 10 विकेट लेना शामिल हैं। शिवलकर ने 12 लिस्ट ए मैचों 16 विकेट लिए है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, मुंबई क्रिकेट ने आज एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। पद्माकर शिवलकर सर का खेल में योगदान, खासकर अब तक के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से एक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट पर उनका समर्पण, कौशल और प्रभाव अद्वितीय है। उनका निधन क्रिकेट जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी आत्मा को शांति मिले।

एएफसी चैंपियंस लीग एलीट, राउंड ऑफ 16 : अल नस्र और एस्तेगलाल के बीच मुकाबला गोलरहित ड्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। तेहरान के आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार को खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग एलीट राउंड ऑफ 16 के पहले चरण के मुकाबले में एस्तेगलाल और अल नस्र के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा। मैच में दोनों टीमों को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम उन्हें भुनाने में सफल नहीं रही। अल नस्र, जो इस मुकाबले में अपने स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना उतरी थी, ने पहले हाफ में दबदबा बनाया। टीम को सबसे अच्छा मौका 21वें मिनट में मिला, जब जॉन डुरान ने एस्तेगलाल के बॉक्स के अंदर से शॉट लगाया। हालांकि, एस्तेगलाल के गोलकीपर हुसैन हुसैनी ने शानदार बचाव किया, लेकिन गेंद अयमान याह्या के पास गिर गई। याह्या के सामने खाली गोल था, लेकिन रूजबेह चेश्मी ने शानदार गोललाइन क्लीयरेंस कर गोल होने से रोक लिया। दूसरे हाफ में एस्तेगलाल ने आक्रामक खेल दिखाया और 50वें मिनट में उसे गोल करने का सुनहरा मौका मिला। अरमिन सोहराबियन ने बाईं विंग से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिसे रेजाईयान ने बॉक्स के अंदर हेडर के जरिए गोल की ओर मोड़ा। हालांकि, उनकी कोशिश गोलपोस्ट के बेहद करीब से बाहर चली गई। अब दोनों टीमें 10 मार्च को सऊदी अरब के रियाद स्थित अल-अव्वल पार्क में होने वाले दूसरे चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हिसार की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर पर फ्रॉड की एफआईआर

हिसार, एजेंसी। हरियाणा की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर रहीं स्वीटी बूरा पर रोहतक में पति ने फ्रॉड का केस दर्ज कराया है। बूरा के पति भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन रह चुके हैं। दीपक ने स्वीटी और उनके परिजनों पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनकी प्रॉपर्टी और कैश हड़पा है। जिसकी शिकायत उन्होंने रोहतक के सक्को दी थी। इसके बाद ओल्ड सब्जी मंडी पुलिस को जांच के निर्देश दिए गए थे। हालांकि पुलिस इस मामले में अभी खुलकर कुछ नहीं कह रही है। इससे पहले स्वीटी बूरा ने भी हिसार में दीपक के खिलाफ दहेज की मांग करने और घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवा रखा है। स्वीटी का कहना है कि दीपक से शादी में उनके 1 करोड़ रुपए खर्च हुए। दहेज में फॉर्च्यूनर गाड़ी दी गई। इसके बावजूद उनसे मारपीट की गई।

बता दें कि स्वीटी बूरा और दीपक हुड्डा ने जुलाई 2022 में शादी की थी। हालांकि पिछले साल 2024 में विधानसभा चुनाव के दौरान उनके रिश्ते बिगड़ गए। दोनों ही भाजपा से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन दीपक हुड्डा को महम से टिकट मिल गई। वहीं स्वीटी बूरा का बरवाला से टिकट का दावा भाजपा ने खारिज कर दिया था।

फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर

नॉकआउट मैच के दबाव से पार पाने के लिए उतरेंगे द. अफ्रीका और न्यूजीलैंड

कराची, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम का सामना सेमीफाइनल में बुधवार को न्यूजीलैंड से होगा। यह दोनों ही टीमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन बड़े मैचों में दबाव में आ जाती हैं। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंची थी, लेकिन न्यूजीलैंड के ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में भारत से हार मिली थी।

मिचेल सेंटनर की अगुआई में न्यूजीलैंड ग्रुप ए में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया से आगे शीर्ष पर रहा। कागजों पर दोनों टीमें बराबरी की दिख रही है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने क्रमशः 1998 और 2000 में एक-एक बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है, लेकिन उस समय इस टूर्नामेंट को आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था और इसका वह महत्व नहीं था जो अब है। दक्षिण अफ्रीका जहां बड़े टूर्नामेंट के चोकर्स (मुख्य मुकाबलों में हार का सामना करने वाली टीम) के अपने तमगे को हटाना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम भी खिताब पर अपना कब्जा जमाने के लिए बेताब होगी। न्यूजीलैंड वनडे विश्व कप (2015 और 2019) में दो बार और

टी20 विश्व कप (2021) में एक फाइनल में पहुंचने के बाद खिताब जीतने से चूक गया था। दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले साल टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल की बाधा पार करने में सफल रही थी, लेकिन उसे फाइनल में भारत ने हराया था। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच यह मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर खेला जाएगा।

लाहौर की पिच थोड़ी धीमी है, लेकिन दुबई की तुलना में वे उतनी स्पिन नहीं करती है। दोनों टीमों के बीच कोई ज्यादा अंतर नहीं है और ज्यादातर विभागों में बराबरी की स्थिति में हैं। गेंदबाजी में विविधता के कारण दक्षिण अफ्रीका के पास हालांकि मामूली बढ़त दिख रही है। दोनों टीमों के बल्लेबाजी क्रम में पर्याप्त ताकत है और उनके पास बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं।

मैच का परिणाम में स्पिनरों की भूमिका अहम रहने अनुमान है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच मैच में यह देखना भी दिलचस्प होगा कि लाहौर की धीमी पिच को देखते हुए दोनों टीमों के स्पिनर कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी से पहले त्रिकोणीय सीरीज का हिस्सा थीं और इन दोनों को ही हाल में पाकिस्तान की पिचों पर खेलने का अच्छा अनुभव है। न्यूजीलैंड पिछले महीने पाकिस्तान में दक्षिण अफ्रीका पर जीत दर्ज कर चुकी है जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और फिर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय सीरीज को अपने नाम किया था। अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम को लगता है कि ये अनुभव उनके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

लाथम 187 रन के साथ टूर्नामेंट में अब तक न्यूजीलैंड के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। केन विलियमसन भी भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेल कर लय में वापसी करने में सफल रहे। गेंदबाजी में मैट हेनरी ने भारत के खिलाफ धीमी पिच पर भी कमाल दिखाया और वह आठ विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें विलियम ओ रुर्के (छह विकेट) का भी अच्छा साथ मिला है। कप्तान सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स और मार्क चैपमैन के रूप में न्यूजीलैंड के पास अच्छा स्पिन आक्रमण है। दक्षिण अफ्रीका भी शानदार फॉर्म में है। इस टीम ने टूर्नामेंट में अपनी सबसे बेहतरीन टीमों में से एक को मैदान में उतारा है।

लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है।

हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है।

अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिल सकता है लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे।

पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा।

पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था।

पंत पिछले साल आईपीएल से मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। उन्होंने आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से वापसी की थी। पंत इसके बाद टी20 विश्व कप टीम में भी शामिल हुए थे। फिर उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की थी।

कार दुर्घटना में घायल होने के बाद वापसी करते हुए अपने पहले ही टेस्ट मैच में पंत ने शतक लगाया था। उनकी शानदार पारी से भारत वो मुकाबला 280 रन से जीतने में सफल रहा था। पंत फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पंत को हालांकि, अब तक तीनों मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला है और उनकी जगह केएल राहुल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है।

पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पंत 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। पंत इस बार लखनऊ सुपरजाएंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंत आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई खिलाड़ियों की मेगा नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: असम ने बिहार को 2-1 से हराया

पंचकूला, एजेंसी। ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम, पंचकूला में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन बी के तीसरे दिन सोमवार को असम हॉकी ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को 2-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

मैच की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले असम हॉकी की कप्तान मुनमुनी दास (29%) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद असम हॉकी ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए तीसरे क्वार्टर तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मैच के अंतिम क्षणों में रोमांच और बढ़ गया। खुशबू प्रजापति (59) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर असम हॉकी की बढ़त को 2-0 कर दिया। हालांकि, अगले ही मिनट में नुसरत खातून ने बिहार की ओर से एकमात्र गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस जीत के साथ असम हॉकी ने अंकतालिका में अपना खाता खोल लिया, जबकि हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को अब भी पहली जीत की तलाश है। इससे पहले रविवार को डिवीजन सी के मैच में हॉकी आंध्र प्रदेश ने पूल बी के खेल में हॉकी जम्मू और कश्मीर के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की। रेवती थालारी (3', 17') ने अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण दो गोल किए, जबकि हरथी लोमाडा (36') और मदुगुला भवानी (45') ने भी हॉकी आंध्र प्रदेश के लिए गोल किए।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए किया क्वीलाफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।

युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

बीसीबी निदेशक ने फिल सिमंस को मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का किया समर्थन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल आबेदीन फहीम ने फिल सिमंस को बांग्लादेश टीम के मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड जल्द ही सिमंस के साथ औपचारिक बातचीत करेगा और उन्हें लंबे समय के लिए इस भूमिका में बनाए रखने की कोशिश करेगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार,सोमवार को ढाका में हुई बोर्ड बैठक में सिमंस के अनुबंध विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिमंस को पिछले साल अक्टूबर में अंतरिम कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके चार महीने के कार्यकाल में बांग्लादेश ने केवल एक सीरीज जीती- वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 3-0 की जीत। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी में टीम को

भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे बांग्लादेश टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गया। बावजूद इसके, बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद और निदेशक फहीम दोनों ने सिमंस को समर्थन दिया है। फहीम ने कहा, हमारे मुख्य कोच और वरिष्ठ सहायक कोच का अनुबंध मार्च के मध्य तक था।

हम उनके प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, इसलिए हम उनके साथ फिर से बातचीत करेंगे। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है, तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उनके साथ समझौते पर पहुंच जाएंगे। हमारा लक्ष्य उनका अनुबंध 2027 विश्व कप तक बढ़ाना है। बीसीबी ने वरिष्ठ सहायक कोच मोहम्मद सालाउद्दीन के अनुबंध को भी बढ़ाने का फैसला किया है, जिन्हें पिछले नवंबर में अल्पकालिक आधार पर नियुक्त किया गया था।

सिमंस और सालाउद्दीन के बीच अच्छा तालमेल होने के कारण उनके अनुबंध को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, बोर्ड ने स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के अनुबंध को भी बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही, चयनकर्ता हन्नान सरकार के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के

निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है। तीसरी बार लगा था प्रतिबंध फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था।

2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

कनाडा, मैक्सिको के खिलाफ ट्रंप की शुल्क धमकी लागू होने से शुरू हुआ व्यापार युद्ध

- कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा

वाशिंगटन ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको के विरुद्ध लंबे समय से दी जा रही शुल्क की धमकी अंततः मंगलवार को लागू हो गई, जिससे वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मच गई। अमेरिका के उत्तरी अमेरिकी सहयोगियों द्वारा महंगी जवाबी कार्रवाई की संभावना पैदा हो गई है। सोमवार को आधी रात से ही कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा, जबकि कनाडा के ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसके अलावा, फरवरी में ट्रंप ने चीन से आयात पर जो 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था, उसे दोगुना करके 20 प्रतिशत कर दिया गया है। जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश 21 दिनों के दौरान 100 अरब डॉलर से ज़्यादा के अमेरिकी सामानों पर शुल्क लगाएगा। मेक्सिको और चीन ने फिलहाल किसी जवाबी कार्रवाई के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति के कदमों ने उच्च मुद्रास्फीति और विनाशकारी व्यापार युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है, जबकि उन्होंने अमेरिकी जनता से वादा किया था कि आयात पर कर राष्ट्रीय समृद्धि का सबसे आसान रास्ता है। उन्होंने मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों की चेतावनियों को दरकिनार करने और अपनी खुद की सार्वजनिक स्वीकृति को दांव पर लगाने की इच्छा दिखाई है। उनका मानना है कि शुल्क देश की समस्याओं को ठीक कर सकते हैं। ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा था, यह एक बहुत शक्तिशाली हथियार है जिसका राजनेताओं ने इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि वे या तो बेईमान थे, मूर्ख थे या उन्होंने किसी अन्य रूप में पैसे कमाए थे। कनाडा और मेक्सिको के शुल्क मूल रूप से फरवरी में शुरू होने वाले थे, लेकिन ट्रंप ने दो सबसे बड़े अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के साथ आगे बातचीत करने के लिए 30-दिवसीय निलंबन पर सहमति व्यक्त की। शुल्क का घोषित कारण ड्रग तस्करी और अवैध आव्रजन को संबोधित करना है, और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने इन मुद्दों पर प्रगति की है।

छोटे उद्यम देश के विकास में निभाते हैं अहम भूमिका : स्वामीनाथन

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के महत्व को बल दिया। उन्होंने व्यापक सहानुभूति के साथ समय पर देय ऋण की महत्वता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। स्वामीनाथन जे ने उद्यमों के संगठित ऋण समर्थन को मजबूत करने के लिए आईआरबीआई के पहलों की तारीफ की और डिजिटल माध्यमों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने स्थायी सलाहकार समिति की बैठक में एमएसएमई के कर्ज प्रवाह की समीक्षा की और ऋण प्रदान में सुधार करने के लिए उन्होंने डिजिटल समाधानों पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनेक संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए और एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट, राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि., भारतीय बैंक संघ, सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट और अन्य संगठनों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। डिप्टी गवर्नर के इस संवाद के माध्यम से, यह स्पष्ट हुआ कि आरबीआई उपेक्षित सेक्टरों और छोटे उद्यमों के समर्थन में सकारात्मक कदम उठाना चाहता है। उनकी अपील और आपके संदेश ने उद्यमों के भविष्य को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मस्क की स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं जल्द शुरू करेगी

- लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष नियामक से एलन मस्क की स्टारलिंक को जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावन जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल व्यक्तिगत संचार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत हो गई है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कुछ आवश्यकताओं पर चर्चा जारी है। संभावना है कि आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर सहमति बन जाएगी। स्टारलिंक करीब 100 देशों में अपनी इंटरनेट की सेवाएं दे रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने जरूरी जानकारी जमा कर दी है। यह स्टारलिंक के लिए भारत में पहली नियामक मंजूरी होगी, जिसका लक्ष्य भारत में कॉमर्शियल ब्रॉडबैंड-फॉम-स्पेस सेवाएं शुरू करना है। कंपनी उपयोगकर्ता टर्मिनलों के स्थानांतरण और उससे जुड़े प्रावधान का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। कंपनी भारत में अपना नेटवर्क नियंत्रण और निगरानी केंद्र बनाने पर भी सहमत है। स्टारलिंक इस बात पर भी सहमत है कि वह यह भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे के माध्यम से डेटा रूट नहीं करेगा। कंपनी का फिलहाल भारत के जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं है, लेकिन कंपनी ने प्रतिबद्ध किया है कि भविष्य में जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे स्थापित करती है तो वह भारत से जुड़ा डेटा उनके माध्यम से नहीं भेजा जाएगा। लेकिन, इस बार भी सुरक्षा के मोर्चों पर कई सारे प्वाइंट्स हैं, जिनको लेकर निरंतर चर्चा चल रही है। स्टारलिंक चाहती है कि भारत के साथ जल्द से जल्द सेवा शुरू करने वाले शर्तों पर आपसी सहमति बने, जिससे कि वह अपनी सेवा शुरू कर सके।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के पांच मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच महीनों से लगातार गिरावट का सफर जारी है। इस गिरावट के पीछे आंकड़े के साथ खुला नहीं रहा है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक पांच मुख्य कारणों की वजह से भारतीय शेयर बाजार गिरावट का सामना कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. ट्रंप, फेड और वैश्विक स्थिति- सितंबर के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए बाजार में सतर्कता बढ़ी। चुनाव के परिणाम से उत्पन्न अनिश्चितता ने बाजार को कमजोर किया है। इसके अलावा, ट्रंप की व्यापार नीतियों से ट्रेड वॉर की आशंका और फेडरल रिजर्व की नजर में मुद्रास्फीति की चिंता है।

2. अर्थव्यवस्था में सुस्ती- भारतीय अर्थव्यवस्था में धीमा विकास का संकेत है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता बढ़ रही है। इसके साथ ही, निवेशकों का भरोसा घट रहा है जिससे बाजार में` गिरावट की स्थिति बनी हुई है।

3. कमजोर कमाई, सुधार की उम्मीद नहीं- कंपनियों के नतीजे निराशाजनक हो रहे हैं और निवेशकों की उम्मीदें कमजोर हो रही हैं। इससे कंपनियों पर बाजार में दबाव बढ़ रहा है, जिससे बाजार को गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

4. एफआईआईएस की बिकवाली- विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसा निकालने की शुरुआत कर दी है, जिसकी वजह से बाजार में अवसाद दिख रहा है। इससे शेयरों का मूड कमजोर हो रहा है।

5. रुपये की कमजोरी- भारतीय रुपये की कमजोरी और विदेशी मुद्राओं के ताजगी के चलते रुपये में तेजी से गिरावट आई है, जिससे बाजार में और भी कमी आई है। इन प्रमुख कारणों के कारण भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। इससे निवेशकों की जिम्मेदारी बढ़ गई है जिससे उन्हें सतर्क रहने और सही समय पर निवेश के फैसले लेने की आवश्यकता है।

ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण दुनिया भर के बाजार में कोहराम मचा

मुंबई ।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट देखी गई, क्योंकि शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में बिकवाली दर्ज हुई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण फैली अनिश्चितता वैश्विक व्यापार में बढ़ रही है। उन्होंने कहा, कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन पर 20 प्रतिशत टैरिफ (अब एडिशनल 10 प्रतिशत लगाया गया है) की धमकियां एक्शन में बदल रही हैं। ट्रंप द्वारा लगाए गए इन टैरिफ का जवाब अभी तक नहीं पता चल सका है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ हाइक के जवाब में, कनाडा मंगलवार से 30 बिलियन कनाडाई डॉलर के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। यह आने वाले 21 दिनों में 125 बिलियन कनाडाई डॉलर के एडिशनल अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाएगा।

बाजार जानकारों के अनुसार, निफ्टी को 22,000 पर तत्काल समर्थन मिला है, इससे पहले 21,850 और 21,600 स्तर पर समर्थन है, जबकि प्रतिरोध 22,500 और इसके बाद 22,600 और 22,800 स्तर पर है। 22,000 से नीचे का ब्रेकडाउन 21,800 की ओर बिक्री दबाव को बढ़ा सकता है, जबकि 22,500 से ऊपर की रिकवरी राहत रैली को ट्रिगर कर सकती है। सूचकांक अभी भी मंदी के दौर में है और ट्रेंड रिवर्सल के लिए निर्णायक ब्रेकआउट की जरूरत है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, इंफोसिस, टाटा स्टील, एमएंडएम और टाइटन टॉप लूजर्स रहे। जबकि, केवल आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई ही टॉप गेनर्स रहे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डॉव जोन्स 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,191.24 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,849.72 पर और नैस्डैक 2.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,350.19 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, केवल बैंकॉक हरे निशान में कारोबार कर रहा था। चीन, जापान, सोल, जकार्ता और हांगकांग लाल रंग में कारोबार कर रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार आठवें दिन अपनी बिकवाली जारी रखी, क्योंकि वे 3 मार्च को 4,788.29 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ ही 87.28 पर बंद हुआ वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.38 पर खुला और फिर 87.40 पर आ गया जबकि सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 87.32 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 106.61 पर था। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों के कारण बढ़ते व्यापार तनाव के बीच आई है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने के कारण जारी अनिश्चितता ने वित्तीय बाजारों में हड़कंप मचा है। इसके अलावा, शुल्क अराजकता ने अमेरिकी डॉलर सूचकांक में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में कुल 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई

मुंबई । भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर कुल 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। आंकड़ों से पता चलता है कि इससे चालू वित्त वर्ष (2024-25) में फरवरी में कुल फंडिंग 2,200 चरण में 25.4 अरब डॉलर हो गया है। फरवरी का आंकड़ा जनवरी में कुल फंडिंग 1.38 अरब डॉलर से 19.5 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। सालाना आधार पर, जुटाई गई कुल धनराशि फरवरी, 2024 में प्राप्त 2.06 अरब डॉलर से कम थी। बेंगलुरु में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर का फंड हासिल किया, जिसका औसत चरण आकार 20 लाख डॉलर था। मुंबई में कुल 10.2 करोड़ डॉलर की फंडिंग हुई, लेकिन औसत चरण आकार 50 लाख डॉलर रहा। फरवरी में वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ऑक्सीजो ने सबसे ज्यादा फंडिंग जुटाई, कंपनी ने पारंपरिक ऋण में 100 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद ऑनलाइन व्यापारिक मंच 'उड़ान' ने एमएंडजी पीएलसी की अगुआई में सीरीज जी इक्विटी फंडिंग चरण में 7.5 करोड़ डॉलर जुटाए।

वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती है भारत की जीडीपी वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती है। साथ ही मानसून सीजन भी सामान्य रहेगा, जिसके कारण कमोडिटी की कीमतों में नरमी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में निजी खपत में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, निवेश वृद्धि निजी पूंजीगत व्यय पर निर्भर करेगी। रिपोर्ट में बताया गया कि कृषि उत्पादन में सुधार और खाद्य महंगाई में कमी की उम्मीद के कारण निजी खपत में और सुधार की उम्मीद है। खाद्य महंगाई में नरमी से घरेलू बजट में विवेकाधीन खर्च के लिए जगह बनेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय बजट 2025-26 में इनकम टैक्स में बढ़ाई गई छूट से खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा मौद्रिक नीति में ढील देने से भी खपत को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट में उम्मीद जाहिर की गई है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2025-26 में रेपो रेट में 50-75 आधार अंक की कटौती कर सकता है। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देकर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष की जीडीपी विकास दर 9.2 प्रतिशत से कम है। हालांकि, विकास दर वित्त वर्ष 2011 और 2020 के बीच महामारी से पहले के दशक के औसत 6.6 प्रतिशत के करीब बनी हुई है और इससे भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का अपना टैग बरकरार रखने में मदद मिलेगी। चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 7.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत हो जाएगी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत से अधिक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई। है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ प्लान से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और विवेशी निवेशकों ने बाजार से अपना पैसा निकाल लिया। इससे भी बाजार पर भारी दबाव पड़ा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 96.01 अंक करीब 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ ही 72,989.93 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 22 हजार के नीचे आ गया। कारोबार के दौरान यह 21,964.60 अंक के इंट्राडे लो तक चला गया था। अंत में यह 36.65 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी फिसलकर 22,082 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे ज्यादा 2.7 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इन्फोसिस, मारुति, टाइटन, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी गिरे। वहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुए। इसके अलावा जोमैटो, टीसीएस, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी उछले।दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बाजारों से बिकवाली जारी रही। एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिका के ज्यादा शेयर बाजार बंद रहे। प्रमुख वॉल स्ट्रीट सूचकांक में एसएंडपी 500 में 1.76 फीसदी की गिरावट जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.48 फीसदी की गिरावट जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 2.64 फीसदी की गिरावट आई। वहीं एनवीडिया के शेयर 8 फीसदी से अधिक गिरे।

ट्रंप ने मैक्सिको और कनाडा से आयातित सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला भी लागू कर दिया है। इसके जवाब में, कनाडा और मेक्सिको ने भी जवाबी कदम उठाये हैं जिससे दुनिया भर में कारोबारी घमासान बढ़ने के संकेत मिले हैं। वहीं गत दिवस ट्रंप ने कहा था कि चीन से आयातित सामानों पर टैक्स को दोगुना कर कर दिया जाएगा। वहीं आज सुबह बाजारों की शुरुआत खराब रही। ट्रंप ने टैरिफ लगाने की अपनी योजना को फिर से दोहराया है। जिससे सुबह से ही बाजार नीचे आने लगा। सुबबह खुलते ही सेंसेक्स 72,633 अंक तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी कारोबार खुलते ही 22 हजार के नीचे फिसल गया। विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली का सिलसिला जारी है। सोमवार को एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी मे तेजी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनी तिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी आई। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार रणनीतिक रिजर्व कोष में विभिन्न प्रकार की डिजिटल परिसंपत्तियों को खरीदे और रखे। यह घोषणा ट्रंप के अस्थिर क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को अपने सार्वजनिक समर्थन के बैरोमीटर के रूप में उपयोग करने के बढ़ते प्रयासों को उजागर करती है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सरकार एक 'क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व' बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें कम-ज्ञात क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो शामिल होंगे। बाद में उन्होंने एक और पोस्ट के साथ कहा कि उनके नियोजित रिजर्व में बिटकॉइन और ईथर भी शामिल होंगे। ये दो सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी हैं।इस घोषणा से क्रिप्टो की कीमतों में हाल ही में हुई बिकवाली के बाद थोड़ी तेजी देखने को मिली। पिछले सप्ताह 80,000 डॉलर से नीचे गिरने के बाद बिटकॉइन करीब 95,000 डॉलर तक पहुंच गया। रविवार को ट्रंप की घोषणा के बाद एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला।लेकिन सोमवार दोपहर तक कीमतें लगभग उसी स्तर पर आ गईं, जहां वे ट्रंप की घोषणा से पहले थीं। ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना की पुष्टि के बाद सोमवार को अमेरिकी शेयरों में भी तेज गिरावट आई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने की 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग

आरआईएल का दावा ऐसी कोई देनदारी नहीं

मुंबई ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके कंसोर्टियम पार्टनर्स बीवी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड से 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग की है। यह विवाद ओएनसीजी के ब्लॉक्स से केजी-डी6 ब्लॉक में गैस माइग्रेशन से जुड़ा हुआ है। रिलायंस ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। यह मामला लंबे समय से विवाद का विषय बना है, जिसमें केंद्र सरकार और कंपनियों के बीच कानूनी और वित्तीय दावों पर चर्चा जारी है। आरआईएल ने कहा, ÷पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पीएससी ठेकेदारों- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड पर 2.81 अरब डॉलर की मांग उठाई है। यह दावा 2018 के एक मामले से जुड़ा है, जब भारत सरकार ने केजी-डी 6 कंसोर्टियम, जिसमें रिलायंस भी शामिल है, पर ओएनजीसी के निकटवर्ती ब्लॉकों से गैस माइग्रेशन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया था।

शुरुआत में, पेट्रोलियम मंत्रालय ने कथित गैस माइग्रेशन के लिए करीब 1.55 अरब डॉलर का मुआवजा मांगा था। मामला कई कानूनी कार्यवाहियों में उलझ गया और अंततः दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया। मई 2023 में, दिल्ली हाईकोर्ट की एकल न्यायाधीश पीठ ने केंद्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें एक मध्यस्थता फैसले को चुनौती दी गई थी। इस फैसले में रिलायंस इंडस्ट्रीज के पक्ष में निर्णय दिया गया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की, जिसके बाद 3 मार्च 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने पहले के फैसले को पलट दिया।

इस फैसले के बाद, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब मांग बढ़ाकर 2.81 अरब डॉलर कर दी है। मंत्रालय ने नए कानूनी घटनाक्रम और गैस माइग्रेशन मामले के पुनर्मूल्यांकन को आधार बनाते हुए यह कदम उठाया है। रिलायंस ने कहा कि कंपनी को कानूनी सलाह मिली है कि डिवीजन बेंच का फैसला और यह प्रोविजनल मांग अस्थिर है। कंपनी दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले को चुनौती देने के लिए कदम उठा रही है।

पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के उस आदेश पर चार सप्ताह तक के लिए रोक लगा दी, जिसमें सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत का एक मार्च का आदेश बिना विस्तृत जानकारी के और आरोपी की कोई विशेष भूमिका बताए बिना यंत्रवत् पारित किया गया था। इसे लिए उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाता है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय बुच, सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय तथा बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन तथा जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर आया। याचिकाओं में विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को 1994 में बीएसई में एक कंपनी को सूचीबद्ध करते समय धोखाधड़ी के कुछ आरोपों से संबंधित उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाओं में कहा गया है कि यह आदेश अवैध और मनमाना है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 159 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को मार्च तिमाही में 159 मेगावाट पवन ऊर्जा जोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन बिजली उत्पादन क्षमता 8,400 मेगावाट के पार हो गई। कंपनी ने कहा कि यह अतिरिक्त क्षमता पवन मौसम से पहले उपलब्ध है और चरम स्थिति के दौरान बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, जो एक स्थायी बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस वृद्धि के साथ, कंपनी की कुल परिचालन पवन क्षमता 2,826 मेगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 8.0 गीगावाट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 से पहले 20 गीगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

भारतीय राजस्व सेवा कर परसिछु अधिकारीमन राष्ट्रपति से भेंट करलयं

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा 78वें बैच कर अधिकारी परसिछुमन आइज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट करलयं।

ई अवसर में अधिकारीमन के संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कहलयं कि भारतीय राजस्व सेवा कर अधिकारीमन कर काम सासन आउर कल्यान ले सउबसे महतपूर्न काम में से एक आहे। ऊ जीवंत अर्थबेवस्था ले कर कर महत कर उल्लेख करलयं। ऊ कहलयं कि भारतीय राजस्व सेवा कर अधिकारीमन कर रूप में, ऊ मन ई सुनिश्चित करेकने में महतपूर्न भूमिका निभाबयं कि ई आवसक संसाधन के निष्पछ, परभावी आउर पारदरसी तरीका से एकत्र करल जाए।

राष्ट्रपति कहलयं कि हमिन कर बुनियादी ढांचा बढ़त हे, डिजिटल कनेक्टिविटी अंतर के दूर करे लागल हय, आउर आर्थिक अवसर पहिले से कहीं बेसी सुलभ आहे। ऊ कहलयं कि बिकास के स्थायी आउर समावेसी बनायेक ले संसाधन कर प्रबंधन दछता आउर निष्पछता कर संगे करल जायेक चाही आउर नागरिकमन के बेबस्था उपरे भरोसा करेक चाही। ऊ कहलयं कि उनकर भूमिका महतपूर्न आहे काले कि ऊमन ई परक्रिया कर देखरेख करबयं ताकि ई सुनिश्चित होए सके कि हर केऊ आपन बैध छमता कर अनुसार जोगदान देवयं आउर उकर संगे सम्मान आउर गरिमा कर संगे बेबहार करल जाए।

भारतीय राजस्व सेवा कर अधिकारी परसिछु राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी), नागपुर में प्रारंभिक परसिछन प्राप्त करत हयं। इकर में रॉयल भूटान सेवा कर दू गो अधिकारी परसिछु भी सामिल हयं।

गोसनर सिने फेस्ट 4.0 कर होलक आगाज, सिने प्रेमीमन देखालयं स्नेह

हिन्दी, नागपुरी, कुड़ुख संगे दूसर भासा कर फिलिम कर होवी स्क्रीनिंग

समाज कर बिकास में महतपूर्न भूमिका निभायेला फिलिम : मुध गोतिया

सोनू सपरवार

रांची। गोस्सनर कॉलेज में गोस्सनर सिने फेस्ट 4.0 कर आगाज सानदार अंदाज में 4 मार्च के भेलक। मास कम्युनिकेशन कर कोर्स को-ऑर्डिनेटर प्रो. आशा रानी केरकेट्टा गोतियामन कर सोवागत करलयं। मुध गोतिया कोलेबिरा बिधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, डिप्टी मॉडरेटर राइट रेव मुरल बिलुंग, सिछक प्रतिनिधि प्रो. अमर दीप टोपनो, प्रो. हेमंत टोप्पो, प्रो. सुरेंद्र कुमार, प्रो. रंजीत कुमार इकर उद्घाटन करलयं। अभिलाषा आउर साक्षी सोवागत नृत्य प्रस्तुत करलयं। मौका में रंगारंग प्रस्तुति दरसकमन कर मन मोइह लेलक।

मुध गोतिया कर रूप में कोलेबिरा बिधायक कहलयं कि फिलिम समाज कर अइना होवेला। ई समाज कर बिकास ने महतपूर्न भूमिका निभायेला। गोस्सनर सिने फेस्ट एगो अइसन मंच आहे, जे झारखंडे नई देस कर फिलिम निरमाता आउर कलाकारमन के एगो मंच परदान करेला। ई तीन दिन में हिन्दी, नागपुरी, कुड़ुख, मलयालम, तमिल, ओडिशी, छत्तीसगढ़ी संगे दूसर भासा कर फिलिम कर स्क्रीनिंग कर जाई। ऊ सउब कलाकार आउर फिलिम निरमातामन के बधाई आउर सुभकामना देलयं। महाबिद्यालय शासी निकाय कर सदस्य सह डिप्टी मॉडरेटर बिशप मुरेल बिलुंग कहलयं कि गोस्सनर सिने फेस्ट 4.0 कॉलेज कर बहुत बेस कार्जकरम आहे। ई बेरा कर मांग भी आहे। आइज कॉलेज लगस्ते सिछा आउर अन्य गतिबिधि में आगे बढ़े लाइग हे। हियां कर बिद्यार्थी अलग-अलग छेतर में आपन परचम लहरात हयं। ई फिलिम फेस्टिवल कर जरिए भी गोस्सनर कॉलेज रास्ट्रीय अस्तर में आपन नाव कमात हे। हियां कर फिलिम मेकर अंतर्रास्ट्रीय अस्तर में ई कॉलेज आउर राइज कर नाव जरूर रोसन करबयं। ज्यूरी मेंबर डॉ. विनोद कुमार सिन्हा फिलिम कर सराहना करलयं। फिलिम निरमान ले प्रोत्साहित करलयं।

फेस्ट कर पहिल स्क्रीनिंग 'मोर सुंदर छोटा नागपुर' एल्बम से होलक, जेकर निरदेसन पुनीत कच्छप करलयं। इकर बाद राकेश उरांव द्वारा निरदेसित लघु बाल फिलिम 'संग' कर स्क्रीनिंग होलक, जेके दरसकमन खूब सराहलयं। ई फिलिम में दू गो छउवामन कर दोस्ती के निरर्देसक एकदम बेस तरीका से परदा में देखालयं। लगभग 13 मिनट कर ई फिलिम दरसक के बांधले रहे। फिलिम फेस्टिवल में म्यूजिक बिडियो 'अजनबी' कर स्क्रीनिंग करल गेलक। डॉक्यूमेंट्री 'सोहराई' में संताल जनजाति कर जीवन आउर संस्कृति के देखाल गेलक। इके बड़ परदा में परदरसित करल गेलक। ई डॉक्यूमेंट्री कर निरदेसन कशिश सरावगी करलयं।

गोस्सनर कॉलेज कर मास कम्युनिकेसन बिभाग कर सेमेस्टर दू कर बिद्यार्थी आकाश द्वारा निरसित डॉक्यूमेंट्री 'मांदर' कर भी स्क्रीनिंग होलक, जेके दरसकमन ढेइरे पसिंद करलयं। विकाश आर्यन द्वारा निरसित शॉर्ट फिलिम पलक' भी परदरसित करल गेलक, जेकर में जनीमन कर प्रति समाज कर सोच के देखाल जाए हे। इकर अलावा कुड़ुख भासा में बनल फिलिम 'जहर जीनागी गाही' कर टीजर भी परदरसित करल गेलक, जेकर निरदेसन इनस कुजूर कइर हयं।

दूसर सत्र में प्रसिद्ध फिलिम मेकर निरंजन कुजूर भारतीय सिनेमा में आदिवासी कर चितरन उपरे चरचा करलयं। ऊ ऋत्विक घटक आउर सत्यजीत रे कर फिलिम कर जिक्र करते उनकर जोगदान उपरे परकास डाललयं। फिलिम में जनजातीय समुदाय कर बारे में बिस्तार से चरचा करलयं। मौजूद फिमिन निरमातामन के आदिवासी कर सर्वश्रेष्ठ आउर सही परदरसन ले प्रोत्साहित करलयं। ई सत्र में बिजू टोप्पो भी मौजूद रहयं। ऊ कहलयं कि लगातार प्रयास से ही सफलता मिलेला।

कार्जकरम कर संचालन रिया आउर ख़ुशरूबा करलयं। फेस्ट में प्रो. महिमा गोल्डन बिलुंग, प्रो. अनुज कुमार, प्रो. संतोष कुमार, प्रो तेज मुंडू, शाहबाज आलम सहित जीसीएफ ऑर्गनाइजिंग हेड सौरव कुमार, क़शफ आरा, साक्षी पांडेय, अभिषेक, दिव्या, देव, कौसर, मुस्कान, अमन, अनल, रोहित,रजनी, तान्या, रिया गोस्सनर कॉलेज आउर इस्कूल कर बिद्यार्थी आउर बड़ संख्या में सिने प्रेमी उपस्थित रहयं।

शांति सदन में अर्पिता महिला मंडल बांटलक कई सामग्री

ओरमांझी। अर्पिता महिला मंडल समाजसेवा कर आपन प्रतिबद्धता निभाते शांति सदन में एगो बिसेस सेवा कार्जकरम कर आयोजन करलयं। ई पहल कर तहत संगठन कर अध्यछा श्रीमती प्रीति सिंह आउर श्रीमती रीता मिश्रा कर मार्गदरसन में मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजमन कर बीच 50 गो कंबल, टॉयलेट्री आइटम्स आउर भोजन कर पैकेट बांटल गेलक।

ई सहायता से शांति सदन कर निवासीमन के ठंड से राहत, बेक्तिगत स्वच्छता आउर पोसन प्राप्त होलक। ई अवसर में सीसीएल कर बिभिन्न छेतर कर जीएम आउर मुख्यालय कर कमेटी मेंबर्स भी उपस्थित रहयं। शांति सदन केर निवासीमन आउर करमचारीमन ई सहजोग ले आभार बेक्त करलयं।

अर्पिता महिला मंडल ई पहल के आपन सामाजिक सेवा कार्य कर कड़ी में एगो आउर महतपूर्न कदम बतालयं। कहलयं कि संगठन आगे भी समाज में सकारात्मक बदलाव लानेक ले प्रतिबद्ध आहे। जरूरतमंद कर सहायता ले निरंतर प्रयास करते रही।

नारी सम्मान कर बिना बिकसित भारत कर कल्पना नई : डॉ. वंदना

रांची। रांची विश्वविद्यालय कर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई आउर इंटर्नल कमेटी (महिला कोसांग) कर संजुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उपरे 4 मार्च, 2025 के आर.यू. कर 50 से बेसी महाबिद्यालय आउर विश्वविद्यालय बिभाग में प्रतिजोगिता आयोजित करल गेलक। रांची विश्वविद्यालय कर वनस्पति शास्त्र आउर जंतु विज्ञान बिभाग कर संजुक्त कार्जकरम कर अध्यछता साइंस डीन डॉ. वंदना कुमारी करलयं।

अध्यछीय संबोधन में डॉ. वंदना कुमारी कहलयं कि जब तक महिलामन के सम्मान प्राप्त नई होवी, तब तक बिकसित भारत कर कल्पना नई करल जाए सकेला। ऊ कहलयं कि महिला पुरुस में समानता आइज भी एकदम बेस से नी आए हे। इकर ले सउब के सामूहिक प्रयास करेक पड़ी।

□ जनीमन कर सम्मान से देस गौरवांवित होवेला : डॉ. ब्रजेश

कार्जकरम कर मुध बक्ता आर.यू कर कार्जकरम समन्वयक डॉ. ब्रजेश कुमार कहलयं कि जब देस कर महिलामन कर सम्मान होवेला, तब ऊ गौरवांवित होवेला। देस कर आजादी कर 78 बछर पूरा होवेक कर बावजूद आइज भी लिंग समानता, महिला दुर्व्यबेवहार समाज में देखाई देवे लाइग हे । ई केऊ भी समाज ले आहे।

□ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस में प्रतिजोगिता कर आयोजन

आइज दुईयों बिभाग में भासन आउर निबंध प्रतिजोगिता कर आयोजन करल गेल। इकर में दुईयों बिभाग कर 125 गो छात्र छात्रामन भाइग लेलयं। आपन प्रतिभा कर परदरसन करलयं।

कार्जकरम में गोतियामन कर सोवागत वनस्पति शास्त्र कर कार्जकरम पदाधिकारी डॉ. लाडली रानी करलयं। धन्यवाद जंतु विज्ञान बिभाग कर कार्जकरम पदाधिकारी डॉ. सीमा केशरी करलयं।

कार्जकरम के भौतिकी बिभाग अध्यछ डॉ सुनील कुमार सिंह, राधा कृष्ण झा, डॉ. बिनोद कुमार महतो, डॉ. प्रभा, डॉ. श्वेता, डॉ सुनील कुमार झा ने भी संबोधित करलयं।

महिला सम्मान सपथ कर संगे कार्जकरम कर समापन करल गेलक। कार्जकरम के सफल बनायेक में टीम लीडर अल्बेला, अंकित, प्रीति, प्रिंस आदि कर जोगदान रहे।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com